पटना ● शुक्रवार, 24 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः18 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

राज्यस्तरीय टीम ने किया स्वास्थ्य... 3 www. bordernewsmirror.com छावा से रश्मिका मंदाना का... 7

पत्नी की बॉडी के कई टुकड़े किए, प्रेशर कुकर में उबाला

● तेलंगाना में आरोपी रिटायर्ड आर्मी जवान गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में सेना से रिटायर्ड एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद सबूत मिटाने लाश के छोटे-छोटे टुकड़े किए और प्रेशर कुकर में उबालकर झील में फेंक दिया। कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि हड्डियों से मांस अलग करने के लिए आरोपी ने उन्हें मूसल से कुचला था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रंगारेड्डी जिले के मीरपेट के डीसीपी नागराजू ने बताया कि 18 जनवरी को सुबम्मा

नामक एक महिला ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि उसकी बेटी माधवी (35) की 13 साल पहले गुरुमूर्ति के साथ शादी हुई थी। गुरुमूर्ति सेना से रिटायर कर्मचारी है। फिलहाल वह कंचनबाग में सुरक्षा गार्ड का काम करता है। रंगारेड्डी जिले के डीसीपी एलबी नागर ने बताया कि जिल्लेलागुडा में एक 35 साल की महिला के लापता होने का मामला उसकी मां ने दर्ज कराया था। मामले में पति खुद दावा कर रहा है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या की है। आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होना चाहता है अमृतपाल सिंह

हाईकोर्ट में दायर की याचिका, परेड देखने के लिए मांगा वक्त

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक और पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से सांसद अमृतपाल सिंह ने नई पार्टी अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के गठन के बाद पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में पहली याचिका दायर की है। याचिका में अमृतपाल सिंह ने गणतंत्र दिवस परेड देखने के साथ-साथ संसद सत्र में हिस्सा लेने की अपील की है। अमृतपाल सिंह ने अपनी याचिका में दलील दी है कि गणतंत्र

दिवस और संसद सत्र में उनकी भागीदारी न्याय और समानता के हित में है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान में निहित मूल सिद्धांतों का प्रतीक बताया है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय महत्व के इन कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी जनहित का मामला है। अमृतपाल ने कोर्ट से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों से कहा जाए कि उन्हें इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेने की इजाजत दी जाए। सांसद होने के नाते संसद सत्र में हिस्सा लेना और संसद में जनता के मुद्दे उठाना उनका संवैधानिक कर्तव्य है।

तेजस फाइटर जेट पर भारत को धोखा दे रहा अमेरिका!

पहले लटकाई इंजन की आपूर्ति, अब कर दी और बड़ी मांग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत को एफ-16 फाइटर जेट बेचने में नाकाम रहा अमेरिका अब नापाक हरकतें करने में जुट गया है। भारत ने अपने स्वदेशी तेजस फाइटर जेट के लिए अमेरिका की कंपनी जीई के साथ इंजन की डील की थी। अमेरिकी कंपनी कई महीने से तेजस फाइटर जेट के लिए इंजन की आपूर्ति को टाल रही है। जीई का दावा है कि उसे कलपुर्जे हासिल करने में दिक्कत हो रही है। जीई के लगातार देरी की वजह से भारत के फाइटर जेट की प्लानिंग

ही गड़बड़ा रही है। वह भी तब जब पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मन देश लगातार पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट बना रहे हैं। अब जीई ने भारत से एक और बड़ी मांग कर डाली है। जीई का कहना है कि भारत को इस समझौते के लिए 5 करोड़ डॉलर ज्यादा देना होगा। जीई की इस मांग के बाद भारत से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स का एक दल अमेरिका जा रहा है। इस यात्रा पर अमेरिकी कंपनी के अधिकारियों से भारतीय दल इंजन पर बातचीत करेगा। भारत चाहता है कि वित्तीय वर्ष के खत्म होने से पहले मार्च तक इस समझौते पर हस्ताक्षर कर लिया जाए। भारत जीई के साथ 99 एई-414 इंजन के लिए डील करना चाहता है। यह संख्या बढ़ भी सकती है।

पहली बार सेना के तीनों अंगों की दिखेगी संयुक्त झांकी

● कर्तव्य पथ पर नजर आएगी अर्जुन और तेजस की प्रदर्शनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में भव्य कर्तव्य पथ पर पहली बार सेना के तीनों अंगों की संयुक्त झांकी नजर आएगी। इसका उद्देश्य सशस्त्र बलों के बीच 'संयुक्तता' की व्यापक भावना को दर्शाना है। वहीं, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की झांकी में भारत की सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता की झलक दिखाई देगी। झांकी का मुख्य आकर्षण काइनैटिक कल्पवृक्ष से लेकर कुम्हार के चाक पर याढ़ (तमिल वाद्ययंत्र) है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सेना के तीनों अंगों की संयुक्त झांकी में स्वदेशी अर्जुन युद्ध टैंक, तेजस लड़ाकू विमान और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर के साथ जमीन, जल और हवा में समकालिक अभियान के रूप में युद्ध की स्थिति का परिदृश्य प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा विध्वंसक आईएनएस विशाखापत्तनम और एक रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट के साथ जमीन, पानी और हवा में एक समन्वित ऑपरेशन का प्रदर्शन करते हुए युद्ध के मैदान का परिदृश्य भी प्रदर्शित किया जाएगा। तीनों सेना की संयुक्त झांकी का विषय 'सशक्त और सुरक्षित भारत' होगा। झांकी में तीनों सेना के बीच नेटवर्किंग और संचार की सुविधा प्रदान करने वाला एक संयुक्त संचालन कक्ष को भी दिखाया जाएगा। इसके अलावा झांकी में सशस्त्र बलों में एकजुटता और एकीकरण के वैचारिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित होगी। मंत्रालय ने बुधवार को कहा, ''एक जनवरी को, मंत्रालय ने 2025 को रक्षा सुधारों के वर्ष के रूप में घोषित किया था और भारत की सैन्य शक्ति की मजबूती के लिए सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। झांकी सशस्त्र बलों में संयुक्तता और एकीकरण के लिए वैचारिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करेगी, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और अभियानगत उत्कृष्टता सुनिश्चित होगी।'' वहीं, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार इस बार मंत्रालय की झांकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विरासत भी, विकास भी' मूलमंत्र से प्रेरित है और देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और सतत विकास की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित करती है। इसमें कहा गया है कि यह झांकी भारत के विकसित राष्ट्र बनने के 'विजन 2047' में संकल्पित है।

पराक्रम दिवस पर पीएम ने दी नेताजी को श्रद्धांजलि

● पोस्ट में लिखा-भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान अद्वितीय

● संसद के सेंट्रल हॉल में हुआ विशेष आयोजन, बच्चों से भी मिले पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। संसद के सेंट्रल हॉल में विशेष आयोजन हुआ। जिसमें पीएम मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी ने वहां मौजूद बच्चों से भी संवाद किया। पीएम ने बच्चों के साथ मिलकर जय हिंद के नारे भी लगाए। इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट में पीएम ने लिखा- भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान अद्वितीय है। वे साहस और धैर्य के प्रतीक थे। उनका विजन हमें प्रेरित करता रहता है क्योंकि हम उनके सपनों के भारत के निर्माण की दिशा में काम करते हैं। प्रधानमंत्री ने नेताजी की जयंती के मौके पर वीडियो से संबोधित भी किया।

● बच्चों से मिले पीएम,पूछा-खाने का डिब्बा लाए हो-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वे संसद के सेंट्रल हॉल में स्कूल स्टूडेंट्स से मिले और उनसे बातचीत की। मोदी ने बच्चों से पूछा कि खाने का डिब्बा लेकर आए हो या नहीं। बच्चों के मना करने पर पीएम हंसकर बोले- बताओ तो मैं खाऊंगा नहीं। इसके अलावा पीएम ने बच्चों को सूर्योदय योजना के बारे में समझाया और बताया कि ये कैसे क्लाइमेट चेंज के खिलाफ है। उन्होंने बच्चों से 2047 तक का लक्ष्य पूछा। बच्चों ने बताया कि 2047 तक देश को विकसित बनाना है। पीएम ने बच्चों के साथ जय हिंद के नारे भी लगाए। पीएम मोदी ने बच्चों से 3.27 मिनट की बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया।

आप नेताओं के घर में है आधार बनाने की मशीन

सीएम योगी ने आम आदमी पार्टी को रोहिंग्याओं के मुद्दे पर घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की एंट्री हो गई है। राजधानी के किराड़ी में रैली के दौरान सीएम योगी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा। सीएम योगी ने दिल्ली सरकार को अवैध रोहिंग्याओं के मुद्दे

पर घेरा। उन्होंने दिल्ली में उद्योगों का विकास नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा। सीएम योगी ने आप पर राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। सीएम योगी ने कहा कि आप नेताओं के घर में आधार बनाने की मशीन है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी घुसपैठियों को आधार बांट रही है।

राहुल गांधी की खराब सेहत दिल्ली चुनाव में पड़ेगी भारी!

● दिल्ली में लगातार दूसरी रैली में नहीं जा पाए कांग्रेस नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार युद्ध चरम पर पहुंचने की ओर है लेकिन कांग्रेस के लिए बुरी खबर है। राहुल गांधी कुछ दिनों से अस्वस्थ हैं, इस वजह से दिल्ली की अपनी दो रैलियों में नहीं जा पाए हैं। पहले बुधवार को नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में अपनी प्रस्तावित रैली में वह नहीं पहुंच पाए और अब गुरुवार को मुस्तफाबाद की रैली में भी वह नहीं पहुंचे। सदर बाजार वाली रैली में दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया था कि राहुल गांधी बीमार हैं, इसलिए वह रैली में नहीं आ पाए। राहुल गांधी बीमार होने की वजह से अबतक 3 रैलियों में हिस्सा नहीं ले पाएं हैं। इनमें से दो तो दिल्ली की रैलियां हैं और एक रैली कर्नाटक की है। 21 जनवरी को उन्हें बेलगावी में कांग्रेस की जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली थी, लेकिन वह शामिल नहीं हो

पाए। गुरुवार को दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि राहुल गांधी बीमार होने की वजह से आज की रैली में भी शामिल नहीं हो पाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ पवन खेड़ा भी मौजूद थे। यादव ने बताया कि डॉक्टरों ने राहुल गांधी को आराम की सलाह दी है, इस वजह से वह सदर बाजार की रैली में शामिल नहीं हो पाए थे। खराब सेहत की वजह से और डॉक्टरों की सलाह के बाद वह मुस्तफाबाद की रैली में भी शामिल नहीं हो पाएंगे। राहुल गांधी का ऐसे वक्त में बीमार होना जब दिल्ली में चुनाव प्रचार चरम पर है, कांग्रेस को महंगा पड़ सकता है।

चाकू लगा भी था या ऐक्टिंग कर रहे थे सैफ

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री ने पूछ लिए तीखे सवाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले पर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नीतेश राणे ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि यह सब नाटक हो सकता है। साथ ही उन्होंने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का जिक्र किया और 'हिन्दू अभिनेता' के मामले में चुप्पी साधने पर विपक्ष पर सवाल उठाए। खान को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

घर पर हुई घुसपैठ के दौरान उन पर हमला कर दिया था, जिसके चलते उन्हें चोटें आई थीं। बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान राणे ने कहा,बांग्लादेशी अब मुंबई में क्या कर रहे हैं। वो सैफ अली खान के घर में घुस गए। इससे पहले ये लोग सड़कों पर क्रॉसिंग के पास खड़े होते थे और अब लोगों के घरों में घुसना शुरू कर दिया है। वो शायद उसे (सैफ) को ले जाने के लिए आए थे। यह बहुत अच्छा है। कचरे को हटा भी लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब वह अस्पताल से बाहर आ रहे थे, तब मैंने देखा। मुझे शक है चाकू लगा भी था।

बिहार के अफसर के घर मिला 'कुबेर' का खजाना

इतना कैश मिला की बुलानी पड़ी मशीनें, पत्नी भी खिलाड़ी

बेतिया (एजेंसी)। बिहार के बेतिया जिले में डीईओ यानी जिला शिक्षा पदाधिकारी पर कुबेर का खजाना मिला है। विजिलेंस की टीम ने गुरुवार को छापेमारी की तो घर से बड़े पैमाने पर कैश बरामद हुआ। यह रकम इतनी बड़ी है कि बिस्तरों पर नोटों के बंडल दिख रहे हैं और इस कैश कि गिनती के लिए मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारी रजनीकांत प्रवीण के घर पर जिस समय विजिलेंस की टीम छापेमारी को पहुंची तो वह पूजा कर रहे थे। विजिलेंस की टीम ने बेतिया में रजनीकांत प्रवीण के आवास पर छापेमारी की है तो वहीं समस्तीपुर में ससुराल और दरभंगा में भी कार्रवाई की जा रही है। विजिलेंस की टीम ने बेतिया में जिला शिक्षा पदाधिकारी के घर पर छापेमारी की है तो वहीं एक टीम ने उनके समस्तीपुर स्थित ससुराल में भी रेड मारी है। दिलचस्प बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर काली कमाई करने वाले अफसर बेतिया के बसंत विहार इलाके में किराये के घर पर रहते थे।

मुझे अंग्रेजी नहीं आती, बंगाली भाषा में कोर्ट का फैसला समझाएं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार पहले ही संजय रॉय को फांसी देने की मांग को लेकर अदालत जा चुकी है। सीबीआई भी हाईकोर्ट पहुंची है। इन सबके बीच दोषी संजय रॉय को सियालदह कोर्ट के न्यायाधीश अनिर्बान दास के 172 पृष्ठों के फैसले की प्रति प्राप्त हुई। वह इन दिनों उस फैसले की एक प्रति लेकर जेल में घूम रहे हैं। संजय का कहना है कि वह अंग्रेजी नहीं समझता है, इसलिए कोई उसे बंगाली में फैसला समझाए। रिपोर्टों के अनुसार, संजय रॉय 21 जनवरी को जेल में उठा और कई बंगाली और हिंदी समाचार पत्र पढ़ा। इसके बाद उसने जेल अधिकारियों से अनुरोध किया कि कोई उसे बंगाली में फैसला समझा दे। संजय रॉय ने फैसले को समझने के लिए जेल में विभिन्न कैदियों से भी संपर्क किया। बाद में उसे बताया गया कि यदि जेल में कानूनी सहायता शिविर हो तो उसका दावा आसानी से पूरा हो जाएगा। 20 जनवरी को सियालदह अदालत में न्यायाधीश अनिर्बान दास ने आरजी कार मामले में संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस बीच संजय रॉय को आजीवन कारावास के अलावा 50,000 रुपये का जुर्माना भी भरना होगा।

महाकुंभ 2025 में पेश होगा सनातन बोर्ड का मसौदा

साधु-संतों ने तय कर दी तारीख,27 जनवरी को बैठक

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ के सेक्टर 17 में होने वाली धर्मसभा में आने वाली 27 जनवरी को सनातन बोर्ड का मसौदा पेश किया जाएगा। यह दिन 'धर्म की स्वतंत्रता का दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस बात की जानकारी प्रसिद्ध आध्यात्मिक प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुर ने गुरुवार को निरंजनी अखाड़े में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा,हमारा धर्म स्वतंत्र नहीं है। हमारे मंदिर सरकारों के अधीन हैं, गुरुकुल बंद हो गए हैं और गौ माता सड़कों पर भटक रही हैं। हमें अपने धर्म और संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए सनातन बोर्ड की जरूरत है। उन्होंने यह भी बताया कि धर्मसभा में सभी अखाड़ों, चारों शंकराचार्यों के प्रतिनिधि और सनातन धर्म से जुड़े प्रमुख लोग शामिल होंगे। ठाकुर ने साफ शब्दों में

कहा,जब तक सरकार सनातन बोर्ड का गठन नहीं करती, हम कुंभ से वापस नहीं जाएंगे।

जूनापीठाधीश्वर महंत स्वामी यतींद्रानंद गिरी ने कहा,सनातन बोर्ड सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए जरूरी है। आतंकवाद, नफरत और अराजकता को खत्म करने का रास्ता सिर्फ सनातन धर्म से ही होकर गुजरता है। निरंजनी अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर और उज्जैन के अर्जुन हनुमान मंदिर के महंत स्वामी प्रेमानंद पुरी ने कहा,कुछ लोग गंगा की भूमि को वक्फ बोर्ड का बताने का दावा करते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि सनातन धर्म सूर्य की उत्पत्ति से पहले से अस्तित्व में है। देश की अखंडता बनाए रखने के लिए सनातन बोर्ड का गठन अत्यंत जरूरी है। गिरी महाराज ने कहा, जहां आस्था है, वहां सनातन है।

संक्षिप्त समाचार

प्रेम प्रसंग में बीसलपुर के युवक की निर्मम हत्या, गुप्तांग कुचला

बरेली, एजेंसी। पीलीभीत जिले के बीसलपुर निवासी युवक मुजम्मिल की प्रेम प्रसंग में गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका गुप्तांग भी कुचल दिया। आरोपियों ने हाथ-पैर बांधकर उसका शव बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव बरकापुर में नहर किनारे फेंक दिया। बीसलपुर पुलिस ने इज्जतनगर पुलिस के साथ आरोपी की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया। इसके बाद बीसलपुर में दर्ज गुमशुदगी के मामले को हत्या में तरमीम कर दिया गया है। बीसलपुर पुलिस ही मामले का राजफाश करेगी। इज्जतनगर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह को बुधवार सुबह बरकापुर गांव में नहर किनारे युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली। वह टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो नहर पटरी के पास झाड़ियों में शव मिला। इसी दौरान बीसलपुर थाने के इंस्पेक्टर क्राइम विनोद कुमार शर्मा एक युवक को लेकर वहां पहुंच गए।

भदोही में तेज रफ्तार का कहर: खड़े ट्रक में घुसी कार, उड़े परखच्चे

भदोही , एजेंसी। भदोही जिले की कोतवाली क्षेत्र के कंसरायपुर बाईपास मार्ग पर बुधवार की रात खड़े ट्रक में पीछे से आई तेज रफ्तार अर्टिगा कार घुस गई। इससे कार के परखच्चे उड़ गए। घटना में कार की अगली सीट पर बैठे व्यक्ति की सीएचसी चौरी रोड पहुंचते ही मौत हो गई। जबकि दुर्घटना के बाद कार चालक भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। अब तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के मुताबिक, कार नंबर यूपी-66 2122 जमुनीपुर कालोनी की प्रभावती देवी के नाम से पंजीकृत है। कार बुधवार की शाम इंदिरा मिल की ओर से तेज रफ्तार रजपुरा की ओर जा रही थी। रास्ते में कंसरायपुर में कार खड़े ट्रक में पीछे से भिड़ गई। घटना के दौरान तेज आवाज सुनकर आस पास के लोगों की नींद खुली तो घटनास्थल की ओर भागे।

मौके पर देखा कार की बाईं ओर का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। वहां बैठा व्यक्ति बुरी तरह फंस गया था। किसी तरह लोगों की मदद से उसे बाहर निकाल कर राजकीय एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। देर रात मौके पर पहुंचे कोतवाल अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रात से ही मृतक की पहचान कराने का प्रयास हो रहा है। अब तक नहीं हो सका है। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को सात वर्ष का कारावास

बहराइच , एजेंसी। फखरपुर के दुजईपुरवा शिवराजपुर गांव निवासी एक अभियुक्त को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो की कोर्ट ने बुधवार को सात वर्ष की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पीड़िता की आयु को देखते हुए प्रतिकर की धनराशि देने का आदेश भी दिया है। फखरपुर के एक गांव निवासी पिता ने थाने पर 27 अप्रैल 2018 को तहरीर दी थी। तहरीर में पिता ने कहा था कि उसकी 10 वर्षीय बेटी 25 अप्रैल 2018 को घर में सो रही थी। इसको थाना क्षेत्र के दुबईपुरवा शिवराजपुर गांव निवासी आलोक कुमार वर्मा उठाकर ले गया और दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस शिकायत को दर्ज कर जांच किया था। इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो दीपकांत मणि के कोर्ट पर चल रहा था। इसकी सुनवाई करते हुए बुधवार को न्यायालय ने आरोपी को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा कोर्ट ने पीड़िता की आयु को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को प्रतिकर देने के लिए संस्तुति की है।

आठ दिन से बिजली गुल, उपभोक्ताओं का हंगामा

जैदपुर (बाराबंकी), एजेंसी। जैदपुर बिजली उपकेंद्र से जुड़े रानीगंज फीडर के टांड़पुरवा गांव में बीते आठ दिन से व्याप्त बिजली संकट से नाराज उपभोक्ताओं ने बुधवार को पावर हाउस पहुंच कर हंगामा किया। नाराज उपभोक्ताओं ने शिकायत के बाद भी समस्या दूर न होने पर मौजूद एसडीओ को अपनी मांग का ज्ञापन सौंपते हुए चेताया कि सुनवाई न होने पर क्षेत्रीय लोग धरना प्रदर्शन को विवश होंगे। रानीगंज फीडर के टांड़पुरवा गांव में बीते 14 जनवरी को एक लकड़ी ठेकेदार बाग में लगे यूकेलिप्टस के पेड़ कटवा रहा था।

मौसम ने अचानक लिया यू-टर्न, घने कोहरे के साथ बढ़ी ठिठुरन; बारिश का अलर्ट...

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की राजधानी लखनऊ सहित अवध क्षेत्र में मौसम ने गुरुवार को अचानक यू-टर्न लिया। दो दिन धूप खिलने से पारा उछला, जो गुरुवार सुबह घने कोहरे और ठंड के साथ एकदम से बढ़ गया। इससे गलन और ठिठुरन बढ़ गई। वाहन गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए लाइट जलाकर रेंगते हुए दिखे।

वहीं स्कूली बच्चों और आफिस जाने वाले लोगों को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोग अलाव के पास बैठकर ठंड से बचाव करते नजर आए। सड़कों पर एक तरह से सन्नाटा छाया रहा। अति आवश्यक होने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। मौसम विभाग के अनुसार आज बारिश के भी आसार हैं।

यूपी के ज्यादातर हिस्सों में पिछले दो दिनों से धूप खिलने से दिन के पारे में उछाल देखने को मिला है। साथ ही ठंड में कमी आई है। तराई के इलाकों में कोहरे और सर्दी का असर बरकरार है। मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के मुताबिक प्रदेश के पश्चिमी हिस्से के कुछ जिलों में गुरुवार को बूंदाबांदी के आसार हैं।

प्रदेश में तमाम जगहों पर वर्ष 2021 के बाद जनवरी में सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया। 30 डिग्री के साथ वाराणसी सबसे गर्म और सात डिग्री के साथ अयोध्या सबसे ठंडा रहा। गुरुवार को प्रदेश के तराई समेत 48 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से गुरुवार को पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, शामली, गाजियाबाद, नोएडा आदि में गरज चमक के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं। इससे पहले बुधवार को यूपी के कुछ तराई जिलों को छोड़कर ज्यादातर इलाकों में अच्छी धूप खिली। तपिश भरी धूप की वजह से दिन के तापमान में बढ़ोतरी भी दिखी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से बृहस्पतिवार को पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। वहीं कई इलाकों में सुबह से ही घना कोहरा देखने को मिलेगा।

आगरा में सुबह-सुबह तेज बारिश, फिर पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

आगरा में बुधवार को खिली धूप ने शहरवासियों को राहत दी। सुबह सर्दी के तेवर सख्त थे, लेकिन दिन में चटक धूप निकली। वहीं गुरुवार को सुबह-सुबह हुई बारिश की वजह तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इधर, मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार-शनिवार को घने कोहरे के आसार बन रहे हैं।

ये तापमान किया गया दर्ज

पिछले 15 दिनों से कड़ाके की सर्दी झेल रहे शहरवासियों को संक्रांति पर निकली धूप ने राहत दी। सुबह से ठंडी हवाएं चल रही थीं, लेकिन दिन में तेज धूप चटकते ही ठंड का असर भी कम महसूस हुआ। धूप निकलने से अधिकतम तापमान 20.3 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्यिस रिकॉर्ड किया गया।

छाएगा घना कोहरा

अधिकतम तापमान सामान्य से 1.1 और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री कम रहा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार शुक्रवार को घना कोहरा छा सकता है। इससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई विशेष अंतर नहीं पड़ेगा।

जितने भवनों पर मिलेगा बार कोड उतने यूजर चार्ज का होगा भुगतान, मेयर और अधिकारी करेंगे निरीक्षण

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी नगर निगम की व्यवस्थाओं को लेकर मेयर अशोक कुमार तिवारी ने बुधवार को स्मार्ट सिटी में बैठक की। मेयर ने कहा कि सभी भवनों में बारकोड 31 जनवरी तक लगाए जाएं। एक फरवरी से मेयर और अधिकारी सुबह 7 से 9 बजे बारकोड का निरीक्षण करेंगे। जितने भवनों पर बारकोड होगा, उसी आधार पर डोर टू डोर कूड़ा उठाने के लिए यूजर चार्ज का भुगतान होगा।

बैठक में मेयर ने कहा कि दाखिल खारिज का निस्तारण 45 दिन में पूरा कराएं। विवादित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई कर निस्तारण कराए। होटल लॉज का सर्वे करें। जल निगम की ओर से 18 वार्डों में सीवर लाइन डालने के लिए सर्वे में प्रगति न होने पर नाराजगी जताई। परियोजना प्रबंधक कमल सिंह को 31 जनवरी तक सर्वे पूरा कर डिजाइन पेश करने का निर्देश दिया। मेयर ने कहा कि इसके बाद कार्रवाई की जाएगी। सुजाबाद डोमरी में डाली जा रही सीवर लाइन में गड़बड़ी ठीक नहीं कराने, संबंधित अवर अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई न करने पर परियोजना प्रबंधक पर नाराजगी जताई। रविंद्रपुरी कॉलोनी में सीवर कार्य पूर्ण होने के बाद सड़क ठीक करने और मिट्टी को हटाने के लिए लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया। कहा कि गंगा घाटों पर सीवर ओवरफ्लो न होने पाए।

आजमगढ़ में बंदर ने मचाया उत्पात, बिजली का पोल हिलाकर गिराया; बाल- बाल बची लोगों की जान

आजमगढ़ , एजेंसी। आजमगढ़ नगर के कटरा त्रिमुहानी पर बृहस्पतिवार की सुबह एक बंदर विद्युत पोल पर चढ़ा और उसे जोर-जोर से हिलाने लगा। तभी पोल जड़ से टूटकर गिर गया। एक पोल गिरते ही उसके साथ एक पोल और गिर गया। जबकि अन्य कुछ पोल बिजली सहित अन्य प्रकार के लगे तारों की वजह से टीका रहा। संयोग ही था कि उस दौरान बिजली कटी थी, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

लोगों का आरोप है कि कई बार बिजली विभाग के लोगों से जर्जर पोल को बदलने के लिए शिकायत की गई। लेकिन बिजली विभाग इसे लेकर लापरवाह बना रहा। जिसका परिणाम रहा कि आज बंदर के पोल हिलाने भर से यह घटना हुई।

लोगों ने बताया कि यदि बिजली आपूर्ति चालू होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। क्योंकि सुबह सात बजे के आस-पास कटरा त्रिमुहानी पर लोग चाय पीने आते हैं, इसके अलावा उस मार्ग पर कई स्कूल हैं, साथ ही जहां पोल गिरा है वहां भी एक स्कूल है।

उधर बिजली का पोल गिरने के बाद काफी देर तक लाइन मैन आदि मौके पर तो पहुंच गए थे, लेकिन जेई का कहीं अता-पता नहीं था। लोगों में विभाग के इस लापरवाह रवैये से गुस्सा देखने को मिला।

धर्म परिवर्तन कराने के दोषी ईसाई दंपती को पांच वर्ष की जेल, दो वर्ष पहले दर्ज हुआ था मुकदमा

अंबेडकर नगर, एजेंसी। यूपी के अंबेडकरनगर में धर्म परिवर्तन कराने के दोषी ईसाई दंपती को एससी-एसटी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राम विलास सिंह ने पांच-पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 25-25 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया।

मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के पिपरिया बैंक कॉलोनी निवासी जोस पापाचन व उसकी पत्नी शीजा एएमएन के खिलाफ जलालपुर के जमौली निवासी भाजपा नेता चंद्रिका प्रसाद ने 23 जनवरी 2023 को केस दर्ज कराया था।

चंद्रिका के अनुसार जोस और शीजा तीन माह से शाहपुर फिरोज गांव की दलित बस्ती में सक्रिय थे। दोनों गरीब परिवारों में जाकर उन्हें बरगलाते थे। 25 दिसंबर को दलित बस्ती में ही बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा करके धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया। चंद्रिका की शिकायत पर पुलिस ने शाहपुर फिरोज गांव से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से ईसाई धर्म से जुड़ी सामग्री भी बरामद की गई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपी दंपती को धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के आरोप में दोषी पाते हुए कारावास के साथ अर्थदंड की सजा सुनाई। शीजा को 18 जनवरी और जोस को 22 जनवरी को जेल भेजा गया।

शादियों के भोज में इटालियन व कोरियन डिश का क्रेज

बाराबंकी , एजेंसी। सहालग के सीजन में अब देसी के साथ ही विदेशी पकवानों को भी शामिल करने का प्रचलन बढ़ने लगा है। इस कारण भोज में देश के अलग-अलग प्रदेशों से जुड़े व्यंजनों के साथ ही इटालियन व कोरियन डिश को भी शामिल किया जा रहा है। सहालग में सजावट, बैंड-बाजे और सवारी के बा मेहमानों की नजरें सबसे ज्यादा शानदार और स्वादिष्ट मेन्यू पर रहती हैं। ऐसे में पारंपरिक और आधुनिक व्यंजनों का मेल मेहमानों को हर शादी में नया अनुभव दे रहा है।

हर बार की तरह इस बार भी सहालग शुरू होने पर कैटरर्स ने मेन्यू में कई नई और खास डिश शामिल की हैं, जो शादी के उत्सव को और यादगार बना रही हैं। अब मेन्यू सिर्फ पारंपरिक भारतीय व्यंजनों तक सीमित नहीं रहा। वर्धमान कैटरर के संचालक बताते हैं कि लोग चोखा-बाटी से लेकर पंजाबी, गुजराती और साउथ इंडियन जैसे क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ ही अब इटालियन और कोरियन फ्यूजन को भी पसंद कर रहे हैं। इटालियन फ्लेवर में वुड-फायर पिज्जा, पेस्टो पास्ता तो कोरियन ट्विस्ट में किम्ची राइस, गोचुजांग नूडल्स जैसे व्यंजन शादियों में आने वालों का नया क्रेज बन गए हैं। लेकिन यह विदेशी मेन्यू अभी कुछ खास शादी समारोह तक ही सीमित है। आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, कुल्फी फलूदा तो हर सीजन में रहता ही है। शादी के सीजन में ठंड को ध्यान में रखते हुए नई डिश लोगों को नया अनुभव दे रही है।

कैटरर बहादुर बताते हैं कि पंजाबी डिश में अमृतसरी कुलचा ,सरसों का साग और तड़के वाली दाल अब लोगों की पहली पसंद बने हैं। इसके साथ ही फ्यूजन तंदूरी पिज्जा और पंजाबी पाव भाजी को भी लोग पसंद कर रहे हैं। इसमें ढाबे जैसा स्वाद मिलता है। गुजराती स्वाद में खांडवी, ढोकला और फाफड़ा जैसे आइटम्स के साथ कैटरर्स अब फ्यूजन गुजराती तिरंगी खिचड़ी पेश कर रहे हैं। साउथ इंडियन डिश में इडली, डोसा के अलावा, कोकोनट चिली उपमा और पाइसी पोटेटो वड़ा भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।

शादी के सीजन में ठंड को ध्यान में रखते हुए गर्मागर्म सूप स्टॉल, मसाला चाय, कॉफी, और लाइव हलवा काउंटर की भारी मांग है। लाइव काउंटर पर तवा तिक्का और पानी पूरी विथ ट्विस्ट जैसे विकल्प आकर्षण का केंद्र बनते हैं।

कैटरर शिवेंद्र वर्मा बताते हैं कि शादियों में मल्टी-स्टॉल कॉन्सेप्ट ने मेहमानों को ज्यादा विकल्प देने की सुविधा दी है। हर स्टॉल पर एक थीम आधारित डिश मिलती है। जैसे, चाट स्टॉल, पिज्जा स्टॉल, पंजाबी ढाबा, स्नैक्स बार, चोखा-बाटी, पान काउंटर का क्रेज बढ़ा है।

इस सीजन कैटरर्स अपने मेन्यू को लेकर काफी रचनात्मक हो गए हैं। लाइव स्ट्रीट फूड काउंटर, हेल्दी ऑप्शन्स जैसे फ्रूट चाट, सलाद और ग्लूटेन-फ्री डिश भी जोड़ रहे हैं। इससे मेन्यू न केवल स्वादिष्ट बल्कि सभी मेहमानों की पसंद के अनुसार भी तैयार हो रहा है।

सफर होगा आसान: जून तक पूरा हो जाएगा संदहा से लौंदा झांसी तक काम, बनारस से बिहार की कम हो जाएगी दूरी

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में राजातालाब से हरहुआ होते हुए चिरईगांव के सदंहा से गंगा पार चंदौली के लौंदा झांसी तक करीब 58 किमी लंबा निर्माणाधीन रिंग रोड की एक लेन का काम फरवरी में पूरा हो जाएगा। तीसरे फेज में चल रहा इसकी दूसरी लेन का काम भी जून तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद इससे सीधे तीन राज्य और चार नेशनल हाईवे जुड़ जाएंगे। इससे बिहार और बनारस की दूरी भी कम हो जाएगी।

गया जाने वालों का रास्ता और आसान हो जाएगा। वहीं चंदौली के लौंदा झांसी में नेशनल हाईवे में मिलने वाले रिंग रोड से चंदौली के साथ ही बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल सहित पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों से आने वाले वाहन भी इस रिंग रोड के जरिये शहर में बिना प्रवेश किए आजमगढ़, गोरखपुर, लखनऊ, जौनपुर, गाजीपुर के लिए आएंगे-जाएंगे। बिहार, कोलकाता, झारखंड जाने वाले वाहन अभी विश्वसुंदरी पुल से जा रहे है। काम पूरा होने के चंदौली के पंचफेड़वा से होकर सीधे निकल जाएंगे। पंचफेड़वा से तीनों जगह से जा सकेंगे। इससे करीब डेढ़ घंटे की बचत होगी।

36 करोड़ से होंगे सात विकास कार्य: वीडीए की अवस्थापना निधि के 36 करोड़ रुपये से शहर में सात विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ ही सड़क, सीवर और लाइट संबंधी समस्याओं का भी समाधान होगा। कार्यों को लेकर वीडीए को अवस्थापना निधि समिति से अनुमति मिल चुकी है।

इस अवस्थापना निधि से शहर में सुगम यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस को संसाधन दिए जाएंगे। वीडीए सीमा के 20 गांव में मिनी हॉट के तहत 5-5 दुकानों का निर्माण होगा। दुकानों के सामने इंटरलॉकिंग का प्लेटफॉर्म बनेगा। नटिनियादाई मंदिर से रिंगरोड तक जलजमाव का निस्तारण होगा। स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज लाइन बिछाने के कार्य को गति मिलेगी।

पिछले 18 साल में आया बड़ा बदलाव: अलीगढ़ के विकास ने छुआ आसमान

अलीगढ़ , एजेंसी। किसी भी शहर के विकास में परिवहन व्यवस्था अहम भूमिका निभाती है। शहरवासियों ने तांगा, बैलगाड़ी को दौड़ते खूब देखा। जमाना बदला तो पिछले 18 सालों में जिंदगी का यह सफर तागे से लेकर टेंपो, बस, ई-बस को दौड़ते देखा, मगर अब अलीगढ़ के आसमान में हवाई जहाज उड़ान भर रहा है। यहां के लोगों ने इसकी कल्पना कभी नहीं की थी। अपना जिला तेजी से विकास कर रहा है। बहुत चीजें बदल गई हैं। खेत और खलिहान के बीच पक्षियों को उड़ते लोगों ने तमाम बार देखा लेकिन जब 11 मार्च 2024 को धनीपुर एयरपोर्ट से पहले चरण में 19 सीटर विमान ने पहली बार उड़ान भरी तो हजारों आंखें आसमान की ओर थीं। सिटी मजिस्ट्रेट रामशंकर ने बताया कि दूसरे चरण में यहां से 90 सीटर विमानों के जरिये दूसरे शहरों के लिए उड़ान सेवा शुरू होगी। यहां एयरबस-320 एवं बोइंग-737 जैसे सबसे बड़े विमान भी उतर सकेंगे।

नई ट्रेनों के ठहराव की आस हुई पूरी: देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में से एक दिल्ली-हावड़ा ट्रैक पर अलीगढ़ जंक्शन पर यात्रियों की नई ट्रेनों के ठहराव की मांग पूरी होती दिखी। यात्रियों की मांग पर यहां ईएमयू, टूंडला -पलवल, वंदे भारत, अलीगढ़-कानपुर मेमू, कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस को ठहराव मिल चुका है। हालांकि अभी तक बिहार संपर्क क्रांति, राजधानी के ठहराव की मांग अभी पूरी नहीं हो सकी है। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार यात्रियों की संख्या के अनुरूप नई ट्रेनों के ठहराव व सुविधाओं की बेहतरी के लिए प्रयास जारी हैं।

बाईपास पर बनेगा नया बस स्टैंड: शहर के गांधीपार्क बस स्टैंड के बंद हो जाने के बाद मसूदाबाद व सारसौल सेटलाइट के रोडवेज बस स्टैंड पर यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं। हालांकि शहर की बढ़ती आबादी व जाम की समस्या को देखते हुए रोडवेज ने हाईवे बाईपास पर नया बस स्टैंड बनाने का निर्णय लिया है। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि आगामी समय में नई रोडवेज बसें मिलने जा रही हैं। जिससे लोकल रूटों पर ग्रामीणों को यातायात का सुगम साधन उपलब्ध हो सकेगा ।

मैत्री सेवा पर भारी पड़ रही नेपाल की मनमानी

बहराइच , एजेंसी। रोटी और बेटी के रिश्ते वाले पड़ोसी देश नेपाल के बीच संबंध और प्रगाढ़ हों, इसलिए साल भर पहले दोनों देशों के बीच मैत्री बस सेवा शुरू हुई लेकिन नेपाल की मनमानी की वजह से भारतीय बसों को सवारियां ढूंढ़े नहीं मिल रही। वहीं, नेपाल से एक परमिट पर महीने भर में पांच-पांच बसें चल रही हैं। यही हाल रहा तो दोनों देशों के बीच रिश्तों की मिठास फीकी होने में ज्यादा देर नहीं।

11 दिसंबर 2023 को भारत नेपाल मैत्री बस सेवा के तहत भारत से पांच और नेपाल से एक बस चलाने की कवायद शुरू हुई। मकसद था कि नेपाली नागरिक भारत की विविधता से परिचित हो सकें। इसलिए भारत की तरफ से महीने भर में पांच और नेपाल की ओर से एक बस लगाई गई। वहीं, बीते एक साल में मैत्री बस सेवा पर नेपाल की मनमानी भारी पड़ रही है क्योंकि भारत से जो पांच बसें नेपाल सवारियां लेने जाती हैं, उनमें कुछ दबंग मनमानी करते हैं और भारतीय बसों में नेपालियों को नहीं बैठने देते। उनकी ओर से जो एक बस चलती है उसमें नेपाली लोगों को बैठाने का दबाव रहता है। ऐसे में भारतीय बस के चालक व परिचालक रूपईडीहा में आकर सवारियां भरते हैं। वहीं नेपाली बस पूरी फुल होकर जाती है।

नेपाली बस संचालक ऐसे करते हैं खेल

बार्डर क्रॉस करने पर नेपाली बसों को इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट पर अपना परमिट दिखाना होता है। इसमें संचालक चालाकी करते हुए महीने में एक बार का परमिट मिलते ही उसकी चार-पांच फोटो कॉपी कर लेते हैं। इस तरह फर्जी तरीके से नेपाली बसों के एक परमिट के कागज पर पांच-पांच बसें निकालकर मोटी कमाई करते हैं जबकि भारतीय बसों को सवारियां ढूंढ़े नहीं मिलतीं।

इन रूटों पर चलती हैं मैत्री बस सेवा

नेपाल से रूपईडीहा होते हुए मैत्री बस सेवा वाराणसी, उत्तराखंड, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के लिए चलती है।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

संक्षिप्त समाचार

प्रखंड विकास पदाधिकारी चकिया सहित दो बीएलओ को किया जाएगा सम्मानित

बीएनएम। मोतिहारी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला के चकिया प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी रोशनी कुमारी जो सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 17 पिपरा भी हैं एवं दो मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारी 20 चिरैया विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या- 63 उत्क्रमित मध्य विद्यालय परजिलवा कन्या पश्चिमी भाग के धीरज कुमार सहायक शिक्षक एवं 17 पिपरा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या- 168 मध्य विद्यालय धरियारीचक तारकेश्वर दुबे सहायक शिक्षक को पटना में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। निर्वाचन विभाग, बिहार द्वारा राज्य स्तरीय निर्वाचन संबंधी पुरस्कारों की घोषणा में इन तीनों के नाम की घोषणा की गई है। उक्त तीनों व्यक्तियों को 25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पटना में स्थित अधिवेशन भवन में राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य सचिव, बिहार की उपस्थिति में पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उप निर्वाचन पदाधिकारी पूर्वी चंपारण मोतिहारी के द्वारा बताया गया है कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 में निर्वाचक सूची में बेहतर कार्य के लिए इन तीनों को सम्मानित किया जा रहा है जिसमें प्रशस्ति पत्र सहित नगद पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

चोरी और लूटपाट की योजना बना रहे चार अपराधी हथियार समेत गिरफ्तार

देसी कट्टा, तीन जिन्दा कारतूस, एक शटर कटर मशीन बरामद

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में कड़कड़ाती ठंड के दौराम चोर व शटरकटवा गिरोह सक्रिय हैं। हालांकि पुलिस ने सक्रियता से गुरुवार के अहले सुबह दरपा थाना प्रभारी उमाशंकर मांझी के नेतृत्व में जवानो मे चार लोगों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से एक देसी कट्टा, तीन जिन्दा कारतूस,एक शटर काटने का मशीन बरामद किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना मिली कि तिनकोनी गांव के श्याम सुंदर कुमार के घर चार पांच व्यक्ति लूट पाट करने का संगठित योजना बना रहे है,जिसके बाद पुलिस ने त्वतरित कारवाई करते हुए सभी अपराधियो को दबोच लिया। पकड़े गये अपराधियो में घोड़ासहन शटर तोड़वा गिरोह के सक्रिय सदस्य विकास,अमर जीत,अंकित व श्याम सुंदर शामिल है।पुलिस इनसे पूछताछ के बाद आवश्यक कारवाई में जुटी है।

एडीजी ने लंबित मामलो के निपटारा के साथ बेस्ट पुलिसिंग पर दिया जोर

बीएनएम। मोतिहारी।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) सह जिला प्रभारी बच्चू सिंह मीणा गुरुवार को मोतिहारी पहुंचे। इस दौरान उन्होने एसपी कार्यालय में डीआईजी हरकिशोर राय,एसपी स्वर्ण प्रभात और जिला में प्रतिनियुक्त सभी एसडीपीओ के साथ बैठक कर पुलिस कार्यो की समीक्षा किया। बैठक से पूर्व उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। बैठक में एडीजी मीणा ने क्रुरतापूर्ण मामलों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने हत्या, डकैती, लूट, बलात्कार और फिरौती के अपहरण जैसे संगीन अपराधों के साथ ही नारकोटिक्स व शराब मामलो पर पदाधिकारियो को गंभीरता से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होने हिंसक घटनाओं पर अंकुश लगाने और लंबित मामलों के त्वरित निपटारे पर जोर दिया। उन्होने पुलिसिंग को धारदार बनाने के लिए नई वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग पर भी जोर दिया।एडीजी ने जिले में लंबित मामलों की संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके शीघ्र निपटारा करने पर बल दिया।उन्होने कहा लंबित मामलो के निपटारा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गणतंत्र दिवस को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी सुरक्षा

बीएनएम। मोतिहारी। गणतंत्र दिवस और महाकुंभ को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को चौकस कर दिया गया है। एसएसबी की 47वीं बटालियन के साथ आरपीएफ व रक्सौल थाना पुलिस ने सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ा दी है।इस दौरान नेपाल से आने-जाने वाले लोगों की कड़ी जांच की जा रही है। डॉग स्क्वायड और एक्स-रे मशीनों के जरिए यात्रियों के सामानों की गहन जांच की जा रही है। घुसपैठ की संभावना को लेकर एसएसबी के जवान लगातार पैदल गश्त कर रहे हैं,वही आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप के नेतृत्व में रक्सौल रेलवे परिसर क्षेत्र में लगातार संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही हैं। लगातार संदिग्धो की पहचान पर त्वतरित कार्रवाई की जा रही है। गणतंत्र दिवस और महाकुंभ को लेकर भारत और नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियां ने स्थानीय लोगों से किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करने की अपील भी की है।मिली जानकारी के अनुसार सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर है,ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके।

राज्यस्तरीय टीम ने किया स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण

एनसीडी स्क्रीनिंग कार्नर, ईसीजी कार्नर, फिजियोथेरेपी की बेहतर सुविधा बहाल करने को लेकर चिकित्सा पदाधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देशानुसार शहर के आईएमए हॉल में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग पटना से आए डॉ. नीरज कुमार, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार पटना एवं निशांत कुमार, उप निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार पटना के अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति के अधिकारियों एवं उपाधीक्षक अनुमण्डलीय अस्पताल, ढाका, पकड़ीदयाल, अरेराज, चकिया एवं रक्सौल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदापुर, घोड़ासहन, केसरिया, मेहसी, पताही एवं सुगौली पूर्वी चम्पारण के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गईं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में एनसीडी स्क्रीनिंग कार्नर ईसीजी कार्नर, फिजियोथेरेपी की बेहतर सुविधा बहाल करना है। वहीं इस दौरान टीम के दो सदस्यों द्वारा जिलान्तर्गत स्वास्थ्य संस्थानों का भ्रमण भी किया गया एवं एनसीडी स्क्रीनिंग कार्नर, ईसीजी कार्नर फिजियोथेरेपी की सुविधा, चश्मा वितरण, पैथोलॉजी जाँच सुविधा की समीक्षा की गई। मौके पर अस्पताल प्रबंधक, प्रखण्ड स्वास्थ्य प्रबंधक एवं नेत्र सहायक व अन्य चिकित्सा पदाधिकारियों ने अपनी बातो को रखा। मौके पर डीएस डॉ. विजय कुमार, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डैम अभिजीत भूषण, डीपीसी भारत भूषण, जिला अनुश्रवण पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन, स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे, रक्सौल अनुमण्डलीय अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन व अन्य प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जयन्ती पर याद किये गये नेताजी सुभाषचंद्र बोस

बीएनएम। मोतिहारी

भारत विकास परिषद के शाखा रक्सौल के तत्वावधान में गुरुवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 128वीं जयंती पराक्रम दिवस के रूप में रक्सौल शहर के कौड़िहार चौक स्थित परिषद के कार्यालय में परिषद के संरक्षक अवधेश सिंह की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक मनायी गयी । कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ भारत माता की जय घोष व वन्दे मातरम् गीत के साथ किया गया। इसके उपरांत भारत माता एवं नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के तैलचित्र पर पुष्पांजलि की गयी ।इस मौके पर अवधेश सिंह ने नेताजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेताजी का अदम्य साहस और वीरता के सम्मान में समूचा देश पराक्रम दिवस के रूप में मना रहा है । सुभाषचन्द्र बोस भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे अग्रणी नेता थे । द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने आजाद हिन्द फौज का गठन किया । उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया । परिषद के सचिव सह मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि कृतज्ञ राष्ट्र देश की आजादी के लिए उनके त्याग और समर्पण को सदा याद रखेगा । परिषद के कला एवं संस्कृति संयोजक अजय कुमार ने कहा कि आज हम सभी विशेषकर युवाओं को नेताजी के आदर्शों को अपनाने की जरूरत है । वहीं प्रशांत कुमार ने कहा कि उनके कथनी एवं करनी में कोई अंतर नहीं था । उन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था । आज उनके पदचिन्हों पर चलकर ही देश विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में शुभार हो सकता है । कार्यक्रम के अंत में नीतेश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हाजीपुर-सुगौली रेल परियोजना कार्य में तेजी लाने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्वेता भारती के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में गुरुवार को जिला भू - अर्जन पदाधिकारी, रेलवे के पदाधिकारी एवं अभियंता, अंचलाधिकारी कोटवा के साथ बैठक कर हाजीपुर-सुगौली रेल परियोजना से संबंधित रैयतों के भुगतान के संबंध में अद्यतन जानकारी प्राप्त की गई।अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि जिन किसानों का एलपीसी जारी कर दिया गया है उनका भुगतान शीघ्र कर दिया जाए। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा बैठक के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई की कितने प्रभावित रैयतों का एलपीसी निर्गत है, उसमें से कितने का भुगतान कर दिया गया है और कितने का भुगतान लंबित हैं। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा सुगौली एवं कोटवा के अंचल अधिकारी को संबंधित रैयतों का एलपीसी निर्गत करने के लिए कैंप लगाकर कार्य करने का निर्देश दिया गया ताकि इसका समाधान शीघ्र से शीघ्र निकल जा सके। इस बैठक में कोटवा एवं सुगौली के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज में मनाया गया पराक्रम दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में घूमधाम से मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया जिसमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी का संपूर्ण जीवन आदर्शपूर्ण और अनुकरणीय है। उनके जीवन से सिख लेते हुए हमें भी निर्भीक होकर तन, मन धन से राष्ट्र सेवा में अपना सर्वस्व समर्पण की भावना रखनी चाहिए। वहीं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा सन् 2021 से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को प्रत्येक वर्ष पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी स्वरूप देश भ्रातर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना,नेहरू युवा केंद्र और मोतिहारी पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में 18 जनवरी से 23 जनवरी तक सड़क सुरक्षा सप्ताह में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. जौवाद हुसैन, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. रविरंजन सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी, शैलेन्द्र, धीरज, विक्की, राहुल राज, खुशी, तबस्सुम, रुचिका, शिवानी सहित अन्य की उपस्थिति रही।

हरेन्द्र सहनी हत्याकांड में मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

- **जागापाकड़ के रामनगर से पकड़ा गया अभियुक्त-धारदार हथियार से काटकर किया गया था हरेंद्र की हत्या कटा पैर भादा नहर से हुआ था बरामद**

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के हररसिद्धि थाना क्षेत्र के मटियारिया कोठी के हरेंद्र सहनी हत्या मामले में पुलिस ने करीब एक वर्ष बाद छापेमारी कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है।पकड़ा गया आरोपी जगापाकड़ के रामनगर गांव का गोपाल है। जो मृतक का ससुर है। मालूम हो कि मटियारिया कोठी के कृष्णा सहनी का पुत्र हरेंद्र सहनी रामनगर निवासी गोपाल राम की पुत्री संजू कुमारी से शादी कर अपने ससुराल में रह रहा था। उसकी वीभत्स तरीके से धारदार हथियार से काटकर हत्या कर शव को भादा नहर में फेंक दिया गया था। 3 दिसंबर 2023 को एक कटा हुआ पैर मिला, जिसकी पहचान कृष्णा ने अपने पुत्र हरेंद्र के रूप में किया था। मामले में उसने एफआईआर दर्ज कराया था, जिसमें मृतक के पत्नी संजू देवी, सास प्रमिला देवी, ससुर गोपाल राम सहित आठ लोगों को नामजद किया था। ससुर फरार था। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि हत्या मामले के अभियुक्त सहित छह वारंटी को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वारंटियों में जगापाकड़ के चंद्रावती देवी, सीमा देवी, चंद्रिका महतो, दास महतो व कामेश्वर यादव शामिल है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

संक्षिप्त समाचार

चार वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के जागापाकड़ गांव से स्थानीय पुलिस ने बुधवार को छापेमारी कर कांड के चार अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि 144 के चार अभियुक्तो पर कोर्ट से वारंट द्वारा जारी हुआ था, जिसको गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो में दास महतो, चंद्रिका महतो,सीमा देवी, चंद्रावती देवी शामिल है। पूछताछ के बाद चारों को गुरुवार को जेल भेज दिया गया। छापेमारी में अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, अविनाश कुमार, संतोषी कुमारी एवं शस्त्रबल शामिल थे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी के यहां छापामारी पर मीडिया से ज्यादा दूसरों की नजर

बीएनएम। बेतिया। शहर में जिला शिक्षा पदाधिकारी के यहां विजिलेंस की छापामारी ने ठंड के मौसम में भी गर्माहट का माहौल पैदा कर दिया है। जैसे-जैसे छापामारी की सूचना फैलते गई छापामारी स्थल पर मीडिया कर्मियों का जमावड़ा लगने लगा हर कोई जानकारी जुटाना और ब्रेकिंग न्यूज चलाने के लिए तत्पर दिखा। हालांकि इनके भ्रष्टाचार पर चर्चा कोई खास बात नहीं थी भरस्टाचार के मामले में यह पहले से ही विख्यात थे परन्तु छापामारी के बाद के बाद इसकी चर्चा जोरो पर है। परन्तु इन सबसे अलग एक और वर्ग है जो इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी नज़रें बनाए हुए हैं। यह है ठेकेदार और दलाल जो इनके लिये काम करते थे। सभी पूरी कार्रवाई पर अपनी नजर बनाए हुए हैं ताकि अपने नफा नुकसान का अंदाजा लगा सके। उनके निवास कि बाहर आम लोगो की भीड़ में कई ऐसे ठेकेदार और दलाल लोगो की नजरों से छुप कर स्थिति पर नजर रखते दिखाई दिए जिनकी लाखों की रकम जिला शिक्षा पदाधिकारी के हस्ताक्षर के बिना रुकी पड़ी है। एक दलाल ने अपनी पहचान और नाम न छापने की शर्त पर यहां तक कहां थी ट्रांसफर के लिए जिन लोगों का पैसा एडवांस में दे दिया गया है उनका क्या होगा जिन्होंने पैसा दिया है वह तो दलाल को ही पकड़ेंगे, और अधिकारी को कुछ हो जाता है तो सारी रकम दलाल को ही लौटानी पड़ेगी। हालांकि हम इस बात की सत्यता की पुष्टि नहीं करते हैं परंतु जिस तरह से जिला शिक्षा पदाधिकारी के भ्रष्टाचार की खबरें आ रही है उसमें यह बात सत्य प्रतीत होती दिखती है।

समाहरणालय में नेताजी के चित्र पर किया गया माल्यार्पण

बीएनएम। बेतिया। महान क्रांतिकारी एवं आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 128 वीं जयंती के अवसर पर आज समाहरणालय सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं उन्हें कोटि-कोटि नमन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, सुमित कुमार ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के संघर्ष, त्याग एवं पराक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि भारत को आजादी दिलाने में नेताजी का अहम योगदान रहा है। भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई इन्होंने बखूबी लड़ी राष्ट्र के निर्माण में इनका योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस द्वारा भारत को आजाद कराने हेतु किये गये कार्यों से बच्चों एवं समाज को बताएं। अपर समाहर्ता, विभागीय जांच ने कहा कि भारत को स्वतंत्र कराने में सुभाष चन्द्र बोस का योगदान अप्रतिम रहा है। इनकी गाथाओं का वर्णन करें एवं समाज तथा बच्चों को इनकी गाथाओं से अवगत कराएं। कार्यक्रम में अन्य पदाधिकारियों ने भी कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की क्रांतिकारी दृष्टि और निडर कार्यों ने पीढ़ियों को अत्यधिक प्रेरित किया। नेताजी के संघर्ष, त्याग एवं परामक्रम को सभी याद करें। नेताजी ने अपना जीवन भारत की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया था।

केन्द्रीय टीम ले रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने हेतु मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया की टीम द्वारा स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिले के डीपीसी अमित कुमार ने बताया कि जिले के अनुमण्डलीय अस्पताल बगहा, सामुदायिक स्वास्थ्य संस्थान गौनाहा, एपीएचसी भितिहरवा एवं अमोलवा का निरीक्षण केंद्रीय टीम ने चेक लिस्ट के अनुसार किया। अभी 25 जनवरी तक टीम द्वारा मझौलिया के दो पीएचसी व दो एपीएचसी तथा अन्य स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेन्ट्रल टीम में डॉ विजय साहा, डॉ कस्तूर्बाब ने बुधवार को अनुमण्डलीय अस्पताल बगहा व अन्य अस्पतालों में जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान मरीजों से बात कर स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। ओपीडी, साफ सफाई व्यवस्था, बिल्डिंग, बेड क्षमता, मानसिक रोग, कुष्ठ रोग, बाल एवं बुजुर्ग बीमार लोगों की बेहतर देखभाल करने की सेवाओं की जानकारी ली तथा अस्पताल में लोगों को मिल रहीं सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।मौके पर गैरसंचारी रोग पदाधिकारी मुर्तजा अंसारी, डीपीसी अमित कुमार, अनुमण्डलीय अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अशोक कुमार तिवारी, डॉ के बीएन सिंह व अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

विद्युत विभाग ने राजस्व संग्रहण को लेकर किया तैयारी

डिफाल्टर उपभक्ताओ को भेजेगा रेड नोटिस, बकाया है तो कटेगा बिजली

बीएनएम। रक्सौल

लक्ष्य निर्धारित राजस्व संग्रहण को लेकर विद्युत विभाग के द्वारा बैठकों का दौर जारी है। रामगढ़वा प्रशाखा में कनीय विधुत अभियंता मोहमद ग़ालिब ने सुपरवाजर लव कुमार एवं मीटर रीडर, मानवबल के साथ बैठक किया। लक्ष्य निर्धारित राजस्व संग्रहण के लिए कार्यपालक विद्युत अभियंता अजय कुमार के निर्देशों को सभी मीटर रीडर एवं मानवबल को अवगत कराया। कनीय विद्युत अभियंता ने बताया की रामगढ़वा सेक्शन के 2560 डिफाल्टर उपभोक्ताओ की सूची बनाई है। जिनके यहां विद्युत विभाग का बिल करीब 1 करोड़ 97 लाख 83 हजार 9 सौ 60 रु बकाया है। जिन्हें रेड नोटिस भेजकर विद्युत बिल जमा करने के लिए अवगत कराया जाएगा। जो उपभोक्ता पिछले छहः माह से विधुत बिल जमा नही किए है। अनपेड उपभोक्ता है । अगर वैसे उपभोक्ता अपना बिल जमा नही करते है तो उनका लाइट कटा जाएगा। स्मार्ट मिटर उपभोक्ता जिहोंने कई महीने से मिटर रिचार्ज नही कराया है और चोरी छिपे विद्युत का उपयोग कर रहे है उनके भी मीटर एवं खपत की जांच की जाएगी। रामगढ़वा सेक्शन में राजस्व संग्रहण एवं लाइट डिस्कनेक्शन के लिए 11 टीमें बनाई गई है। इसके अलावा कनीय विधुत अभियंता के नेतृत्व में 5 सदस्यीय एक छापेमारी टीम भी बनाया गया है। जो रामगढ़वा के 16 पंचायतों में जाकर बड़े बकायदारो के साथ साथ निगेटिभ बैलेंस वाले स्मार्ट मीटर उपभोक्ता एवं विद्युत चोरी का जाँच कर करवाई करेंगे। उन्होंने बताया की निर्धारित राजस्व पूरा हो इसके लिए आगामी मार्च तक रामगढ़वा सेक्शन के लिए आइटीएम मनोज कुमार को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जो प्रतिदिन के राजस्व संग्रहण एवं कार्य को वरीय अधिकारियों तक रिपोर्ट करेंगे। इसबबैठक में रामगढ़वा सेक्शन के सेक्शन इंचार्ज लव कुमार, मीटर रीडर विनय कुमार, अखलेश तिवारी, नूरमोहमद, सुरेश सिंह, ऋतुराज तिवारी, सोनू कुमार , विशाल कुमार, राजकिशोर यादव, संदीप कुमार एवं मानवबल में अखलेश सिंह, संजय यादव, संजीव महतो, भागीरथ दास, संतोष श्रीवास्तव सहित अन्य विद्युत कर्मी शामिल थे।

मतदाता दिवस को लेकर सभी पंचायतों के बीएलओ की हुई बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया

प्रखंड कार्यालय में आगामी 25 जनवरी को होने वाले मतदाता दिवस को लेकर सभी पंचायतों के बीएलओ की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ प्रियंका कुमारी ने की। बैठक में मतदान केंद्रों पर समारोह पुर्वक मतदाता दिवस मनाने पर चर्चा की गई। साथ ही बीडीओ ने बताया कि सभी मतदाता को मत देने का शपथ दिलाना है। इस दौरान नए मतदाता व महिला मतदाताओं को अधिक संख्या में भाग लेने के लिए जागरुक करना है। किसी कारणवश छुटे हुए एवं 18 वर्ष पुर्ण कर चुके मतदाताओं को जोड़ने के लिए प्रपत्र को भरकर बीएलओ एप के माध्यम से प्रविष्टि करना है। ताकि 18 वर्ष के ऊपर के नए मतदाता को मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। वही मतदाता सूची में किसी मतदाता के कागजात में त्रुटि हो तो उसे भी सुधार करना है। मौके पर बीएलओ अरविंद कुमार पांडये, अभिषेक कुमार, मनीष कुमार श्रीवास्तव, नीति प्रकाश, धर्मेंद्र कुमार सिंह, शिव कुमार यादव, मनोज बैठा, धर्मेंद्र बैठा, न्याज अहमद, राजकुमार राम, राजेश कुमार, अमरेश कुमार सहित अन्य शामिल हुए।

अनियंत्रित पिकअप गाड़ी ने बिजली के पोल को तोड़ते हुए दुकान में घुसी, हजारो की क्षति

पिकअप पर लदी संदिग्ध बिजली की तार जप्त, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। तुरकौलिया

अरेराज - मोतिहारी मुख्य पथ पर निमुइया मोड़ के समीप एक अनियंत्रित पिकअप गाड़ी ने बिजली के पोल को तोड़ते हुए एक दुकान में घुस गई। जहां दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उक्त दुकान में हजारों रुपये की क्षति पहूंची है। वही चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। पिकअप पर बिजली का लाखों रुपये के तार लदे हुए थे। चर्चा है कि तार कही चोरी की तो नही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पिकअप और तार को जब्त किया गया है। मामले में जेईई राघवेंद्र प्रसाद ने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया है। बताया aजाता है कि पिकअप अरेराज के तरफ से मोतिहारी की ओर जा रहा था। इसी बीच निमुइया मोड़ के समीप अनियंत्रित होकर पोल को तोड़ते हुए दुकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। पोल टूटने से बिजली विभाग को करीब 16 हजार की क्षति पहूंची है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि विद्युत जेइइ के आवेदन पर एफआईआर दर्ज किया गया है। साथ ही पिकअप पर लदे तार की भी जांच किया जा रहा है। जांच के बाद ही पता चल पायेगा की तार चोरी की है या नही। एफआईआर दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

बेतिया के डीइओ के यहाँ मिली तीन करोड़ से ज्यादा की राशि

शिक्षा विभाग मे आखिर कितने कि हुई लूट और बड़े अधिकारी रहे सोये

बीएनएम। बेतिया

जिले मे भ्रष्टाचार के सिरमौर बने जिला शिक्षा पदाधिकारी के आवास से मिली राशि अभी तक जिले मे मिले सभी भ्रष्ट अधिकारियो के पास मिली राशि से कही अधिक है। आखिर यह भी बात सोचनीय है की अगर जिले में भ्रष्टाचार से तीन करोड़ से ज्यादा की राशि जमा करने वाले जिला शिक्षा पदाधिकारी ने आखिर कितने सरकारी धन की लूट मचाई। अगर माना जाए कि यह राशि सरकारी धन की लूट की 2% भी है तो कम से कम डेढ़ सौ करोड रुपए से ज्यादा की लूट जिला शिक्षा कार्यालय में हुई है। जिलाधिकारी को सबसे पहले जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय मे बिगत तीन वर्षो मे हुये भ्रष्टाचार की जाँच करानी चाहिए। गुरुवार की सुबह से ही विजिलेंस की टीम ने एक साथ रजनीकांत के 7 ठिकानों पर छापामारी की। करीब 10 घंटे की छापेमारी के बाद बिना कोई जानकारी दिये घर से बाहर निकल गई है। जानकार सूत्रों की बात का विश्वास करें तो रजनीकांत के घर में रखे बेड में नोटों से भरी बोरियां छिपाकर रखी गई थी। नकद राशि मिलने के बाद अधिकारियों के होश उड़ गए और उन्हें गिनती करने के लिए नोट गिनने वाली मशीन मंगानी पड़ी। छापामारी करने के लिए विजिलेंस की टीम डीईओ ऑफिस के क्लर्क अंजनी कुमार के घर पर भी गई थी परंतु ऐसा आभास लग रहा है कि छापामारी की पूर्व आभास लगने के कारण लापता हो गये थे और उनके घर पर ताला लटका मिला।

महिला फुटबॉल टूर्नामेंटः हथौड़ा की टीम ने छपरा को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में पहुचीं

बीएनएम। तुरकौलिया

आदर्श स्पोर्ट्स क्लब तुरकौलिया के तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे दिन सेमरा टोला फुटबॉल स्टेडियम में क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। क्वार्टर फाइनल मैच नेपाल हथौड़ा व छपरा के बीच मैच खेला गया। जहा हथौड़ा की टीम ने 1-0 से मैच जीतकर सेमीफाइन में जगह बनाई है। हाफ टाइम तक दोनो टीमें गोल नही कर सकी थीं। कभी रोमांचक मैच देखने को मिला। दर्शक काफी उत्साह के साथ मैच का आनंद ले रहे थे। हाफ टाइम के बाद दोनो टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिला। खेल समाप्ति होने के कुछ ही सेकेंड बचे ही थे कि नेपाल हथौड़ा के खिलाड़ी जर्सी नंबर 9 साजना कुमारी ने पहला गोल दागकर 1-0 से अपनी टीम को बढ़त दिला दी। यह बढ़त निर्णायक साबित हुई। हथौड़ा की टीम ने 1-0 से मैच जीतकर सेमी फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। छपरा के जर्सी नंबर 9 के खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। डॉ अफजल आलम ने यह अवार्ड खिलाड़ी को दिया। टूर्नामेंट के मध्यम कमरुद्दीन अंसारी ने बताया कि आदर्श फुटबॉल के तत्वावधान में यह टूर्नामेंट कराया जा रहा है। दर्शकों का अपार प्यार मिल रहा है। मुख्य अतिथि में मुखिया अशरफ आलम, पूर्व प्रमुख संजय सिंह, अध्यक्ष कमरूद्दीन अंसारी, पूर्व मुखिया क़मरुजम्मा, डॉ. अफजल आलम, बब्लू मियां, सागर कुमार पटेल, कलाम हुसैन, राहुल राज, बद्री पासवान, हाजी मजहर आलम सहित अन्य टूर्नामेंट के सदस्य मौजूद थे।

पहाड़पुर का फैजल फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट परीक्षा किया क्वालीफाई

- **फैजल के शिक्षक पिता ने जताई प्रसन्नता**

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पहाड़पुर के लखनीपुर निवासी शिक्षक आफताब आलम व अंजुम आरा का पुत्र फैजल आफताब ने फॉरेन मेडिकल में ग्रेजुएट बना है। तीन भाई में मझले फैजल ने अपने बाबा मोहम्मद हनीफ के सपने को चिकित्सक बन साकार किया है। शिक्षक मो. हनीफ जिनकी दोस्ती पहाड़पुर के मुखिया स्वतंत्रता सेनानी रत्नेश्वर सिंह से थी। उनके परिजनो ने बताया कि जिले के प्रसिद्ध चिकित्सक डा.सी बी सिंह के रूतबा को देख वे काफी प्रभावित थे। उन्होंने पुत्र शिक्षक आफताब से कहा कि पौत्र फैसल आफताब, फैजल आफताब व फहद आफताब को भी डॉक्टर की पढ़ाई कराओ ताकि वे सीबी सिंह की तरह बन कर अपने बाबा के सपने को साकार कर सके।अपने बाबा के संदेश को समध मझले पोता ने दिन रात पढ़ाई किया। एमबीबीएस पढ़ने के लिए उसका एडमिशन 2018 में चीन के हेबई मेडिकल यूनिवर्सिटी में हुआ। वहां से मेडिकल की डिग्री लेकर वह अपने वतन आया।विदेश से एमबीबीएस पास कर इंडिया में चिकित्सक के रूप में काम करने के लिए एफएमजी एग्जाम क्वालीफाई करना अनिवार्य होता है। जिसको डॉ फैजल ने क्वालीफाई कर अपने माता पिता का नाम रौशन किया है। उसके पिता शहर के गोपालपुर मिडिल स्कूल में हेडमास्टर है। डॉ फैजल की मां अंजुम आरा खुशी से फुले नहीं समा रही है। वही डॉ फैजल ने कहा कि वह अपने दादा के सपने को पूरा करने के लिए इस कामयाबी तक पहुंचा है। वह गरीबों की सेवा करना चाहता है।

भगोड़े अपराधियों के खिलाफ मुहिम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि समय आ गया है कि अपराध करने के बाद देश फरार भगोड़ों को पकडऩे और उन्हें न्याय के कठघरे में लाने के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करे। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा विकसित भारतपोल पोर्टल लॉन्च करते हुए शाह ने कहा कि इससे देश की हर जांच एजेंसी और पुलिस बल सरलता से इंटरपोल के साथ जुड़ कर जांच को रफ्तार दे सकेगा। मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन नये आपराधिक कानूनों में आरोपियों की अनुपस्थिति में ट्रायल के प्रावधान को जोडऩे की चर्चा करते हुए उन्होंने हथियारों और मादक पदाथरे व मानव तस्करी और सीमापार होने वाले आतंकवाद के खिलाफ नई व्यवस्था को सहायक बताया। भारतपोल के पांच प्रमुख प्रारूप कनेक्ट, इंटरपोल नोटिस, रेफरेंस, ब्राडकास्ट और रिसोर्स के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजंसियों के लिए तकनीकी रूप से मददगार साबित होने की उम्मीद है। इसके 195 देशों के इंटरपोल से ब्राडकास्ट के जरिए सीधा जुडऩे से दस्तावेज और जरूरी जानकारियों का लेन-देन आसान हो जाएगा। इसकी विशेषता रिअल टाइम इंटरफेस भी है जो सीधा संवाद स्थापित करेगी। अब तक सीबीआई, आईएओ और यूओ के बीच संचार ई-मेल तथा फैक्स द्वारा ही संभव था। अंतरराष्ट्रीय डाटा सुरक्षित रखने, रेडकॉर्नर नोटिस और अन्य कानूनी नोटिसों के आदान-प्रदान में सहूलियत के साथ ही इंटरपोल के उन्नीस प्रकार के डाटाबेस का विश्लेषण तथा अपराधियों को पकडऩे की व्यवस्था हो सकेगी। भगोड़े अपराधियों को देश वापस लाने में सरकार को लोहे के चने चबाने पड़ रहे हैं जिससे न केवल देशवासियों के समक्ष, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भी कानूनी पकड़ और न्याय-व्यवस्था को लेकर सवालिया निशान लगते रहते हैं। कड़े कानूनों का लाभ तभी है, जब विदेश में छिपे घोषित अपराधियों की धरपकड़ कर उन्हें सजाएं दी जा सकें। भगोड़ों को पकड़ कर देश वापस लाने के मोदी सरकार के दावों की लंबे समय से फजीहत होती रही है। तय रूप से शाह इस स्थिति से निकलने के प्रति गंभीर होंगे। बेहतरीन होती विदेश नीति का फायदा लेते हुए सरकार को उच्च तकनीक के मार्फत दुनिया भर के भगोड़े अपराधियों के खिलाफ मुहिम चलाने में आसानी होगी। हैकर्स और जालसाजों द्वारा अति गोपनीय जानकारी में सेंध लगाने की गुंजाइश पर भी नजर रखी जा सकेगी।

वृद्ध लोग समाज के मूल्यवान सदस्य

हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में ग्लोबल हेल्थ स्पैन शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने खुलकर चर्चा की। सम्मेलन में सबसे अहम बात बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता के रूप में उभरकर सामने आई। सम्मेलन में करीब दो हजार से अधिक वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति निर्माता और विचारक एकत्रित हुए। उन्होंने बुजुर्ग होते समाज के भविष्य के समक्ष आने वाले महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर गहनता से चर्चा की। उनका कहना है कि दुनिया में स्वस्थ वृद्धावस्था के अप्रयुक्त अवसरों के साथ-साथ उभरते हस्तक्षेप, प्रौद्योगिकी, नीतिगत परिवर्तन और भविष्य के लिए आवश्यक निवेश पर खुलकर चर्चा की जानी चाहिए। सम्मेलन में यह बात भी सामने आई कि आज वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 73.4 वर्ष है, जिसके बढ़कर सौ साल होने की उम्मीद की जा सकती है। वक्ताओं ने कहा कि जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद हमारे जीवन के अंतिम वर्ष अक्सर दीर्घकालिक बीमारी में गुजर रहे हैं। उम्र बढऩे के साथ कई पूर्वाग्रह और बुढ़ापे को सामाजिक और आर्थिक बोझ के रूप में पेश करने की कहानी सामने आ रही है। कोलंबिया विविद्यालय में प्रोफेसर जॉन आर. बिर्यड ने कहा कि कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्ध आश्रितों की संख्या का अनुपात नकारात्मक धारणाओं को मजबूत करता है और समाज में वृद्ध वयस्कों के सार्थक योगदान को नजरअंदाज करता है। अमेरिका और यूरोप में वृद्ध वयस्क भुगतान किए गए काम, स्वयं सेवा और देखभाल के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद का अनुमानित सात फीसद योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि वृद्ध आबादी आर्थिक स्थिरता और नवाचार के लिए भी एक अप्रयुक्त शक्ति हो सकती है। अमेरिका में 50 से अधिक उम्र के उद्यमियों की संख्या साल 2007 के मुकाबले साल 2024 में दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जीने से हमें रिटायरमेंट शब्द से भी रिटायर होना पड़ सकता है। अनुमानित जीवनकाल शताब्दी के करीब पहुंचने के साथ हम उम्मीद कर सकते हैं कि हमारा कामकाजी जीवन अतिरिक्त 20-40 वर्षों तक बढ़ जाएगा। यह शिक्षा और काम के बारे में हमारी सोच को फिर से परिभाषित करेगा। वहीं कार्यबल में बने रहने के कारण अर्थशास्त्र से परे भी है। इस बात के बढ़ते प्रमाण हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद काम करने से हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है। साथ ही मानसिक प्रगति और सामाजिक जुड़ाव भी मिलता है। उन्होंने कहा कि वृद्ध लोगों को समाज के मूल्यवान सदस्य के रूप में स्वीकार करने के लिए नकारात्मक रूढ़िवादिता को समाप्त करना होगा तथा लंबी आयु के लाभों के बारे में सार्वजनिक धारणा को व्यक्तियों, समाजों और अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवा की लागत का बड़ा हिस्सा उम्र बढऩे और उम्र से संबंधित बीमारियों से प्रेरित है। फिर भी उम्र बढऩे और स्वास्थ्य अवधि विज्ञान को बहुत कम धन उपलब्ध है। अमेरिका अल्जाइमर रोग के इलाज पर सालाना लगभग 305 बिलियन डॉलर खर्च करता है। यह आंकड़ा 2050 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। यूएस रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र का अनुमान है कि हृदय रोग और स्ट्रोक के कारण देश को स्वास्थ्य सेवा व्यय और उत्पादकता हानि के रूप में प्रतिवर्ष 363 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। मधुमेह के कारण अनुमानित वार्षिक स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ 327 बिलियन डॉलर है, जबकि गठिया और संबंधित बीमारियों के कारण होने वाला खर्च 303 बिलियन डॉलर से अधिक है। वहीं देश वृद्धावस्था के लक्षणों के उपचार पर अरबों डॉलर खर्च करता है। अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के वार्षिक अनुसंधान बजट का एक प्रतिशत से भी कम या 337 मिलियन डॉलर वृद्धावस्था के जीव विज्ञान को समझने में खर्च होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि उम्र बढऩे के मूल कारणों को संबोधित करने से व्यक्तिगत बीमारियों को लक्षित करने की तुलना में निवेश पर अधिक लाभ मिल सकता है।

छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या, जीवन-मरण का प्रश्न बनती प्रतिस्पर्धा

डॉ. सत्यवान सौरभ

वैसे तो इस दौर में पूरी युवा पीढ़ी ही भयावह मानसिक व्याधि से विचलित है, इनमें विशेषतः छात्र विचलन गंभीर चिंता का विषय है। हमारे देश में प्रति 100 में 15 से अधिक छात्र अवसाद, चिंता और आत्मघात से पीड़ित पाए जा रहे हैं। कठिन प्रतिस्पर्धा और पढ़ाई-लिखाई में अनुशासन आदि को लेकर तनाव बढ़ रहा है, उससे न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों बल्कि पूरे समाज की चिंता बढ़ती गई है। पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। अभिभावकों की उम्मीदों पर खरा नही उतर पाने वाले, परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चों को घर पर पिटना पड़ता है। परीक्षा और नतीजों के दबाव में छात्रों की आत्महत्याएँ आम होती जा रही हैं। छात्र आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि के पीछे मानसिक तनाव सबसे आम कारक बन चुका है। तनावग्रस्त छात्रों की आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ रहा है। जैसे-जैसे परीक्षा के दिन निकट आते हैं, छात्रों का तनाव हद से गुजरने लगता है। पूरी युवा पीढ़ी का परीक्षा के दिनों में ऐसे हालात से दो-चार होना देश और समाज, अभिभावकों और शिक्षाविदों, सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षा क्षेत्र में दशकों से व्याप्त कई बुनियादी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों पर अभी तक पार पाने में कामयाबी नहीं मिली है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को अनिवार्य कर दिए जाने के बाद से छात्रों को प्रतिस्पर्धा करने और प्रदर्शन करने के लिए भारी तनाव का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शन के दबाव को संभालने, माता-पिता की अपेक्षाओं को पूरा करने और आकांक्षाओं को प्राप्त करने में असमर्थता मनोवैज्ञानिक संकट और बाद में अवसाद का कारण बन सकती है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अकादमिक उत्कृष्टता की निरंतर खोज ने अनजाने में छात्रों के बीच तीव्र दबाव और प्रतिस्पर्धा का माहौल पैदा कर दिया है। शैक्षणिक उपलब्धियों पर अत्यधिक ध्यान देने के साथ-साथ सामाजिक अपेक्षाओं और असफलता के डर ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इसने चिंता, अवसाद और तनाव की वृद्धि में योगदान दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए कई बार छात्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने का लगातार दबाव रहता है। वे अपनी तुलना दूसरों से करते हैं। यह अंतर्निहित दबाव मानसिक परेशानी के विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है, जिसमें चिंता, विफलता का डर और कम आत्मसम्मान शामिल है। गंभीर मामलों में, मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ आत्म-नुकसान का कारण बन सकती हैं और यहाँ तक कि आत्महत्या के प्रयासों के विचार को भी जन्म दे सकती हैं। प्रतियोगी पाठ्यक्रम के भारी-भरकम बोझ से बच्चों का मानसिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। इससे बच्चों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बच्चों के जीवन में तनाव के पौध की बड़ी वजह यह भी है कि लंबे समय तक स्कूल के घंटों के बाद बच्चे घर लौटते ही होमवर्क निपटाने में जुट जाते हैं। इसके बाद ट्यूशन के लिए दौड़ पड़ते हैं। खाना-पीना, सोना, खेलकूद, सब हराम हो जाता है। आराम करने और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ करने का उन्हें समय ही नहीं मिलता है। ऐसे में छात्रों के लिए कम नींद और अवसाद की स्थिति या गंभीर तनाव का सबब बनी रहती है। वर्तमान प्रतियोगी दौर में छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। परीक्षा केंद्रित शिक्षा से भारत में छात्रों की आत्महत्याओं में अंक, अध्ययन और प्रदर्शन के दबाव के साथ अकादमिक उत्कृष्टता की तुलना करना इस अवसाद के पीछे महत्त्वपूर्ण कारक हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे किसी भी छात्र के साथ एक साधारण साक्षात्कार, चाहे वह जेईई, एनईईटी या सीएलएटी हो, यह प्रकट करेगा कि छात्रों के बीच मानसिक संकट का प्रमुख स्रोत उन पर दबाव की असहनीय मात्रा है जो लगभग हर एक द्वारा डाला जाता है। हर शिक्षक, हर रिश्तेदार कठिन अध्ययन और एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश पाने के महत्त्व को दोहराते हैं। जबकि छात्र स्नातक होने के बाद क्या करने की आकांक्षा रखता है या जहाँ उसकी रुचियाँ हैं, उसके बारे में सहज पूछताछ बहुत कम की जाती है। इन सभी परीक्षाओं की अत्यधिक जटिल प्रकृति (सभी नहीं) का अनिवार्य रूप से मतलब है कि उन्हें पास करने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटरों में दाखिला दिलाने का सपना

पूरा करना होगा, इससे छात्र के लिए एक से अधिक तरीकों से समस्या बढ़ जाती है क्योंकि वह कोचिंग पर माता-पिता द्वारा खर्च किए गए पैसे को चुकाने के लिए अब परीक्षा को पास करने का दबाव बढ़ गया है और उसे कोचिंग संस्थान के अतिरिक्त दबावों का भी सामना करना पड़ता है। जब तक देश की परीक्षा संस्कृति से इस कुत्सित व्यवस्था को समाप्त नहीं किया जाता है, तब तक छात्रों में आत्महत्या की दर को रोकने के मामले में कोई प्रत्यक्ष परिवर्तन नहीं देखा जाएगा। सरकार को इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए, अगर वास्तव में हम सोचते है कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। जबरन करियर विकल्प देने से कई छात्र बहुत अधिक मात्रा में दबाव के आगे झुक जाते हैं, खासकर उनके परिवार और शिक्षकों से उनके करियर विकल्पों और पढ़ाई के मामले में। शैक्षिक संस्थानों से समर्थन की कमी के चलते बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने के लिए सुसज्जित नहीं है और मार्गदर्शन और परामर्श के लिए केंद्रों और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है। ऐसे कठिन दौर में आज छात्रों में आत्महत्या की प्रकृति और प्रवृत्ति का नए सिरे से अध्ययन करने की भी बहुत जरूरत है, क्योंकि देश की पूरी युवा बौद्धिक संपदा दांव पर लगी हुई है, जिसके दूरगामी गंभीर नतीजे पूरे राष्ट्र के माथे पर गहरा शिकन ला सकते हैं। युवाओं के कंधे पर स्थापित विकासशील प्रगति का पूरा ढांचा ही भरभरा कर गिर सकता है। छात्रों को इसे चुनौती के रूप में लेते हुए पूरी क्षमता के साथ इसका सामना करना चाहिए। परीक्षा जीवन-मृत्यु का प्रश्न नहीं है। परीक्षा परिणामों को जीवन का अंतिम आधार न मानकर अपनी सफलता की राह स्वयं बनानी होती है। बिना श्रम के जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। अभिभावकों को यह समझना है कि उन्हें अपने बच्चों के साथ कैसा बर्ताव करना है। छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की बढ़ती व्यापकता से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें व्यक्ति, संस्थान और समग्र रूप से समाज शामिल हो। सफलता को फिर से परिभाषित करना और छात्रों को अपने जुनून और रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना उनके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। केवल शैक्षणिक उपलब्धियों पर आधारित सफलता की संकीर्ण परिभाषा से आगे बढ़ने से छात्रों को अपनी अद्वितीय प्रतिभा का पता लगाने और अपने चुने हुए रास्ते में पूर्णता पाने का मौका मिलता है। आत्महत्या के जोखिम कारकों को कम करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना और परीक्षा के नवीन तरीकों को अपनाया जाना चाहिए। छात्रों की सराहना करने की आवश्यकता है और यह बदलना महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय समाज शिक्षा को कैसे देखता है। प्रयासों का उत्सव होना चाहिए न कि अंकों का। छात्रों की चिंताओं, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को दूर करने के लिए सभी स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग केंद्रों में प्रभावी परामर्श केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। बढ़ते संकट को दूर करने के लिए अतीत की विफलताओं से सीखना और छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, संस्थानों और नीति निर्माताओं सभी हितधारकों को शामिल करने वाले तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

सुभाष चंद्र बोसः पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली विरासत

गजेन्द्र सिंह शेखावत

पराक्रम दिवस के अवसर पर, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती को रेखांकित करता है, हम भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अपार योगदान और उनकी अदम्य भावना का सम्मान करते हैं, जो आज भी युवाओं को प्रेरित करती है। इस दूरदर्शी नेता के जीवन और आदर्शों का उत्सव मनाने के लिए स्थापित, पराक्रम दिवस इस बात पर विचार करने का एक अवसर है कि हम उनके सिद्धांतों को अपनी व्यक्तिगत और राष्ट्रीय आकांक्षाओं के साथ कैसे एकीकृत कर सकते हैं। यह दिन, न केवल उनके बलिदान की याद दिलाता है, बल्कि कार्रवाई का आह्वान भी करता है तथा हमें साहस, निष्ठा और नेतृत्व के उनके सिद्धांतों को अपनाने का आग्रह करता है, ताकि एक समृद्ध, आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, नेताजी के योगदान को संस्थागत रूप दिया गया है तथा इसे पहले से कहीं ज्यादा बड़े पैमाने पर मनाया जा रहा है। 2021 में, सरकार ने 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में नामित किया, जिससे नेताजी की विरासत का सम्मान करने के लिए वार्षिक राष्ट्रव्यापी समारोह सुनिश्चित हुआ। कर्त्तव्य पथ पुनर्विकास परियोजना के तहत इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा का अनावरण, उनके विजन के प्रति एक ऐतिहासिक श्रद्धांजलि थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भारतीय गौरव और संस्कृति के पुनरुत्थान का प्रतीक घोषित किया, जो बोस के राष्ट्रवाद के आदर्शों के अनुरूप है। इसके अलावा, नेताजी से जुड़ी 304 फाइलों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने दशकों से चल रही अटकलों को खत्म कर दिया और जनता को उनके जीवन और कार्य से जुड़े महत्वपूर्ण रिकॉर्ड तक पहुंच प्रदान की। इसके अतिरिक्त, मणिपुर के मोइरंग में आईएनए मेमोरियल का पुनरुद्धार, जहां इंडियन नेशनल आर्मी ने पहली बार तिरंगा फहराया था, नेताजी की विरासत को संरक्षित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने बोस के वैश्विक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, नेताजी का जीवन स्वतंत्रता के लिए समर्पित था और उन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जो आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरा हो। सुभाष बोस का जन्म कटक में एक सम्मानित परिवार में हुआ था। वे एक प्रतिभाशाली छात्र थे। कटक के रेवेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल, कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) परीक्षा में उन्होंने अपने अध्ययन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। देशभक्ति की गहरी भावना और अपने देश की सेवा करने की इच्छा से प्रेरित होकर, उन्होंने एक सम्मानजनक करियर की सुख-सुविधाओं को ठुकराते हुए आईसीएस से इस्तीफा देने का फैसला किया। बाद में, उन्होंने देशभक्ति की भावना जगाने और देशवासियों के बीच स्वतंत्रता का संदेश फैलाने के लिए 1921 में 'स्वराज' नामक एक समाचार पत्र शुरू किया। नेताजी का स्वतंत्र भारत का सपना सिफ़र् एक सपना नहीं था, बल्कि कार्रवाई का आह्वान था। जब वे 1941 में नज़रबंदी से भाग निकले और अंतरराष्ट्रीय समर्थन मांगा, तो यह सिफ़र् एक रणनीतिक कदम नहीं था - यह दृढ़ संकल्प, सहनशीलता और ज़रूरत पड़ने पर अपरंपरागत रास्ते अपनाने की इच्छाशक्ति का एक साहसिक दावा था। उन्होंने घोषणा की, मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा, यह उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि सच्ची आज़ादी के लिए सिफ़र् शब्दों की नहीं, बल्कि कार्यों की भी जरूरत होती है। चाहे वह इंडियन

नेशनल आर्मी (आईएनए) के निर्माण के ज़रिए हो या आज़ाद हिंद रेडियो पर उनके भाषणों के ज़रिए, बोस ने दिखाया कि आज़ादी हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास, बलिदान और प्रगति के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देने की इच्छा की ज़रूरत होती है। पूर्व ब्रिटिश पीएम क्लेमेंट एटली ने एक बयान में अंग्रेजों के भारत छोड़ने के कई कारण बताए, उनमें से सबसे प्रमुख कारण था - नेताजी की सैन्य गतिविधियों के परिणामस्वरूप भारतीय सेना और नौसेना कर्मियों के बीच ब्रिटिश राज के प्रति वफादारी का कम होना। यद्यपि महात्मा गांधी के साथ उनके वैचारिक मतभेद जगजाहिर थे, लेकिन गांधी के सिद्धांतों के प्रति बोस का सम्मान अटल रहा और उनके विपरीत रास्ते उनके पृथक दृष्टिकोणों को उजागर करते थे। नेताजी ने 1939 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया, लेकिन भारत की स्वतंत्रता की उनकी प्रतिबद्धता कभी कम नहीं हुई। आज के युवाओं के लिए, यह हमें अपने आदर्शों के प्रति सच्चे रहने का महत्व सिखाता है, भले ही आगे का रास्ता चुनौतियों से भरा हो। नेताजी ने आईएनए के भीतर झांसी की रानी रेजिमेंट का गठन करके नारी शक्ति के महत्व को मान्यता दी, एक पूरी तरह से महिला रेजिमेंट जिसने महिला सशक्तिकरण के प्रति उनके विश्वास को सुदृढ़ किया। ये आदर्श माननीय प्रधानमंत्री के भारत के विज़न में अच्छी तरह से परिलक्षित होते हैं, जहाँ महिलाएँ देश के भविष्य को आकार देने में एक अभिन्न भूमिका निभाती हैं। पराक्रम दिवस, नेताजी की अमर विरासत का एक वार्षिक अनुस्मारक आयोजन बन गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों से युक्त समारोहों के पिछले आयोजनों ने उनके योगदान को प्रतिष्ठा दी है, जिसमें कोलकाता और दिल्ली प्रमुख आयोजन स्थल हैं, जहाँ उनकी एकता और देशभक्ति की भावना सड़कों पर गूंजती थी। इस वर्ष, कटक में, इस कार्यक्रम का विशेष महत्व है, क्योंकि यह उनके मूल स्थान का सम्मान करता है। एक ऐसी दुनिया में जो सुदृढ़ता और नवाचार की मांग करती है, उनकी जीवन गाथा युवाओं को एक विकसित भारत - एक आत्मनिर्भर, विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने और कार्य करने के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा के रूप में कार्य करती है। जैसा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहा था, सुभाष चंद्र बोस का नाम देशभक्ति की भावना जगाता है और राष्ट्र को साहस और निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। आइए हम एक उज्ज्वल, मजबूत भविष्य के लिए मिलकर काम करके उनकी विरासत को आगे बढ़ाएं। लेखक केंद्रीय संस्कृति मंत्री हैं

मेष राशि : आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप परिवारवालों के साथ समय बिताएंगे। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। बच्चों को बड़ा सरप्राइज मिल सकता है। आज कुछ लोग आपके काम में मदद कर सकते हैं। आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित होंगे। आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है। ऑफिस के किसी काम से आपकी यात्रा हो सकती है, यात्रा लाभदायक रहेगी। बुजुर्ग अपने किसी बचपन के दोस्त से मिलकर अपनी पुरानी यादों को फिर से ताजा करेंगे। आज आपके आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आयेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका रुझान अध्यात्म की तरफ रहेगा, आप किसी धार्मिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको बढ़ोत्तरी के नये अवसर मिलेंगे। इस राशि के जो लोग मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं... उनके लिए लाभ के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिये मिला-जुला रहेगा। किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं। इस राशि के जो लेखक हैं, उनकी कविता लोगों को काफी पसंद आएगी... आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है। जीवनसाथी के साथ आपका ताल मेल अच्छा बना रहेगा, घर का फैंसी डेकोरेशन करवाने का मन बना सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन शानदार रहेगा। ऑफिस में आपको मनपसंद काम दिया जा सकता है, काम करने में मन लगा रहेगा। आपसे एक्सपर्ट के तौर पर सलाह ली जा सकती है। इस राशि के लोगों की नौकरी में प्रमोशन के साथ ही... इनकम बढ़ने के भी चांस नजर आ रहे हैं। छात्र अपने विषयों को लेकर अधिक रुचि दिखायेंगे।

कन्या राशि : आपके लिए दिन अनुकूल रहने वाला है। लोग आपके काम की तारीफ करेंगे, आप खुद भी अपने काम से संतुष्ट रहेंगे। जीवनसाथी के साथ बाहर डिनर पर जाने का अच्छा मौका है, किसी रेस्टोरेंट जयेंगे। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग किसी नई एक्टिविटी में भाग लेंगे। आज आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा है। आपके सभी काम समय से पूरे होंगे, ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद होगी। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई को लेकर कुछ बदलाव कर सकते हैं... कठिन विषयों को समझने के लिये अपने सिनीयर की मदद लेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन जीवन में किसी नयी खुशी का संकेत लायेगा। जीवनसाथी बड़ी खुशखबरी दे सकते हैं जिससे परिवार के बाकी लोग भी काफी खुश नजर आयेंगे। रिश्तों और काम के बीच तालमेल बना रहेगा। आर्थिक रूप से आप स्ट्राँग रहेंगे। इंजीनियर्स को बड़ा फायदा होगा। इस राशि के जो मैनेजर पोस्ट के लोग है.. अपने काम को अच्छे से संभालेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। काम की गति बनी रहेगी.... आप खुद को रिलेक्स फील करेंगे। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके रिश्ते की बात घर पर चल सकती है.... घर का माहौल अच्छा रहेगा। काम के मामले में कुछ लोग आपसे सलाह मांग सकते हैं। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों का काम अच्छा चलेगा। दूसरे लोग भी आपकी योजना से प्रभावित होंगे।

मकर राशि :आज का दिन जीवन में अहम मोड़ लायेगा। आपको अपने करियर में बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। ध्यान रहे जो भी करें, सोच-समझ कर करें। काम की वजह से आप परिवार को पूरा समय नहीं दे पायेंगे..... लेकिन परिवार का साथ बना रहेगा। कुछ मामलों में थोड़ा भावुक हो सकते हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आपका नजदीकी मित्र आपसे मिलने आ सकता है... आप उनसे अपनी निजी समस्या शेयर कर सकते हैं। परिवार की उलझनों को सुलझाने में आपको मदद मिलेगी। इस राशि के छात्रों के लिए दिन ठीक-ठाक है, पढ़ाई में आ रही समस्याएं दूर हो जाएगी।

मीन राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। लोग आपकी बातों पर पूरा ध्यान देंगे। यात्रा की योजना बन सकती है। पैसों से जुड़ी समस्याओं का समाधान आज निकल जायेगा। रोजमर्रा के काम पूरे हो सकते हैं। दिनभर मस्ती के मूड में रहेंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। अधिकारी आपके काम की तारीफ करेंगे। दूसरों के सामने अपनी बात को खुलकर रख सकते हैं ... लोग आपकी बातों को इम्पोर्टेंस देंगे।

शब्द पहेली - 8382

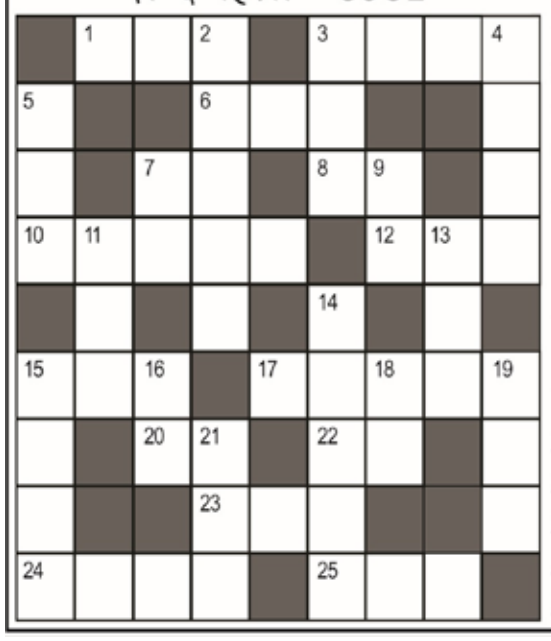

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8381 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एकदिवसीय के महान खिलाड़ी हैं विराट : गांगुली

जून में इंग्लैंड दौरा बड़ी चुनौती होगा

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खराब फार्म के गुजर रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके जैसे खिलाड़ी जीवन में एक बार ही मिलता है। गांगुली ने विराट की तुलना दिग्गज महिला क्रिकेटरों मिताली राज और झूलन गोस्वामी से की है। गांगुली ने कहा कि विराट एकदिवसीय प्रारुप में अब तक के सबसे बेहतर क्रिकेटरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि कोहली में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है लेकिन उन्होंने अगाह किया कि जून का इंग्लैंड दौरा उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। गांगुली ने कहा कि मुझे अब भी विश्वास है कि विराट कोहली में बहुत क्रिकेट बाकी है। इंग्लैंड दौरा उनके लिए बड़ी चुनौती होगा। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि विराट जैसे खिलाड़ी जीवन में एक बार ही मिलता है। करियर में 80 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाना अविश्वसनीय बात है। मेरे लिए, वह संभवतः दुनिया का सबसे महान सफेद गेंद वाला खिलाड़ी है। कोहली के नाम एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक 50 शतक हैं जबकि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम भी इतने शतक नहीं हैं। सचिन के नाम 49 शतक हैं। विराट एकदिवसीय और टी20ई क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में कोहली के खराब प्रदर्शन से गांगुली हैरान हैं। उन्होंने कहा कि पर्थ में शतक लगाने के बाद उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे मैं परेशान था। इससे पहले उन्होंने यहां संघर्ष किया था पर पर्थ में शतक के बाद, मैंने सोचा था कि यह उनके लिए एक बड़ी सीरीज होगी पर ऐसा नहीं हुआ। विश्व के हर खिलाड़ी की अपनी कमजोरियां और ताकत होती हैं। गांगुली ने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं है जिसके पास यह नहीं होगा। यह इस चीज के बारे में हैं कि आप समय के साथ महान गेंदबाजों को खेलते हुए अपनी कमजोरियों को कैसे अनुकूलित करते हैं।

पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा ने खेल की खराब हालत के लिए टेनिस प्रशासकों को जिम्मेदार बताया

खेल को आगे बढ़ाने बदलाव करने होंगे

नई दिल्ली। पूर्व ओलंपियन मनीषा मल्होत्रा ने कहा है कि देश में टेनिस की खराब हालत के लिए टेनिस महासंघ और इसके प्रशासकों को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि खेल को बचाने और आगे बढ़ाने के लिए कई बदलाव करने होंगे। मनीषा ने कहा कि अभी पुरुष एकल में सुमित नागल 91वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं पर उनके प्रदर्शन में भी निरंतरता नहीं है। अभी रोहन बोपन्ना पुरुष युगल में 16वें स्थान पर आने के साथ ही देश के शीर्ष खिलाड़ी हैं पर अब उनका करियर समाप्त होने को है। वहीं महिला एकल में एक भी भारतीय खिलाड़ी शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है जबकि महिला युगल में भी देश की कोई खिलाड़ी शीर्ष 100 में भी नहीं है। महेश भूपति के साथ मिलकर 2002 बुसान एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीतने वाली मनीषा ने देश में टेनिस के गिरते स्तर के लिए इसके खेल प्रशासन पर निशाना साधा है। इस पूर्व महिला टेनिस खिलाड़ी ने कहा, '' अभी टेनिस की हालत काफी खराब है। मैं सोचने लगती हूं कि टेनिस इतना अच्छा खेल था जहां हमारे पास इस खेल की इतनी अच्छी विरासत थी। रामानाथन कृष्णन के समय से ही ऐसा था जिसे हमने पूरी तरह से समाप्त कर दियाहै।'' उन्होंने कहा, ''आज की तारीख में अगर कोई प्रगति नहीं है, कोई खिलाड़ी नहीं है तो यह हमारी ही गलती है। मुझे यह देखकर काफी दुख होता है क्योंकि मैं आज जो भी हूं टेनिस के कारण ही हूं। मेरे जीवन में जो कुछ भी है, वह टेनिस की वजह से है।'' इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''बहुत से टेनिस खिलाड़ी मेरे साथ हैं जो यह सोच रहे हैं कि हम बहुत खराब स्थिति में पहुंच चुके हैं और अगर हमें टेनिस को बचाना है तो बड़े बदलाव करने होंगे।'' टेनिस साथ पिछले कुछ समय में बड़ी समस्या यह रही कि जिन लोगों ने इसका संचालन किया उनके पास कोई योजना और रणनीति ही नहीं थी। उन्होंने कोई ढांचा और व्यवस्था ही नहीं बनाई।'' हमारे पास कोई जूनियर विकास कार्यक्रम नहीं था और ना ही शिक्षण कार्यक्रम था। जो भी टेनिस खिलाड़ी हुए हैं या जिन्होंने भी कुछ हासिल किया है, अपने बल पर किया है। उनके अपने क्लब है, अपने माता-पिता से मदद ली। कोई ढांचागत प्रणाली नहीं थी। मनीषा ने कहा, ''जो भी लोग महासंघ का हिस्सा थे उन्होंने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया कि टेनिस के विकास में कैसे सुधार करें। अभी हम जिस स्थिति में पहुंचे है वह बेहद निराशाजनक स्थिति है। आप किसी भी क्लब के कोर्ट में जाकर देख लो वहां कोई खेलने के लिए नहीं है।'' एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के बावजूद मनीषा ने सिडनी ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने को अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ क्ष्ण बताया। मनीषा सिडनी खेलों की महिला युगल स्पर्धा में निरूपमा वैद्यनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खेलीं थी लेकिन पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं थी।

राष्ट्रमंडल खेलों में एक बार फिर कुश्ती को शामिल किया जाएगा : एरिका

विजयनगर। पूर्व ओलंपिक चैंपियन कनाडा की एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर किये जाने को दुखद बताया है। ओलंपिक स्वर्ण विजेता पहलवान एरिका को उम्मीद है कि अगले सत्र में कुश्ती को बार फिर शामिल किया जाएगा। एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। एरिका ने इंटरव्यू में कहा, 'ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक हैं। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कुश्ती तक लोगों की अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर है। कनाडा की इस पहलवान ने कहा, 'इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि हालत बदलेंगे। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे। बुडापेस्ट 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता एरिका ने ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत में महिला कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत से भारतीय खिलाड़ियों, खासकर पहलवानों की सराहना करती हूं। भारत में महिला फ्रीस्टाइल कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। एरिका ने कहा, 'मैं फोगाट बहनों, साक्षी मलिक और विनेश के बारे में सोचती हूं, जो ना केवल मैट पर चैंपियन रही हैं, बल्कि जिस तरह से वे खुद को संभालती हैं और मैट के बाहर जिस तरह चीजों के लिए खड़ी होती हैं, वह मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक है।

दिव्यांग क्रिकेटर से मिले बटलर , बल्ले पर ऑटोग्राफ दिया

कोलकाता। इंग्लैंड की टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर को लेकर एक विडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें बटलर भारतीय क्रिकेट टीम से हुए टी20 मुकाबले से पहले एक दिव्यांग प्रशंसक से मिलते और उसके ऑटोग्राफ देते नजर आ रहे हैं। बटलर ने व्हीलचेयर पर रहने वाले इस प्रशंसक और दिव्यांग क्रिकेटर धर्मवीर पाल से बात कर उसके बल्ले पर हस्ताक्षर किए। इसके लिए लोगों ने इंग्लैंड के कप्तान की जमकर प्रशंसा की है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में दिखता है कि बटलर धर्मवीर के पा जाकर उससे बात करते देखते हैं। वीडियो की शुरूआत बटलर के रूम में जाने से पहले धर्मवीर की ओर मुड़ने से होती है। बटलर ने उनसे बात कर ऑटोग्राफ दिया। इससे धर्मवीर की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। धर्मवीर ने अपनी हिम्मत और पदर्शन के आधार पर दिव्यांग के तौर पर भारतीय टीम में जगह बनाकर अपनी पहचान बनायी है।

खेल में वापसी करना चाहते हैं डिविलियर्स

जोहानिसबर्ग: दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने कहा है कि वह अब भी खेल सकते हैं। इसलिए खेल में वापसी भी कर सकते हैं। डिविलियर्स ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए नवंबर 2021 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। अब वह इस तरह से खेलना चाहते हैं जहां किसी प्रकार का दबाव नहीं हो और वह सहज होकर खेल सकें।डिविलियर्स खेल से संन्यास के बाद चैरिटी और प्रसारण के कार्य कर रहे हैं। वह वर्तमान समय में एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। डिविलियर्स ने अपने तीन बच्चों की बात रते हुए कहा, 'मैं अब भी क्रिकेट खेल सकता हूं। मेरे बच्चे मुझ पर थोड़ा दबाव डाल रहे हैं और मुझे लगता है कि मैं उनके साथ नेट्स पर जा सकता हूं। शायद मैं ऐसी क्रिकेट खेलूंगा जिसमें मैं सहज होकर खेल सकूं। डिविलियर्स ने आईपीएल जैसी पेशेवर लीग के दायरे से बाहर की क्रिकेट में खेलने के संकेत दिए। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल या एसए20 जैसी लीग में खेलने की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि ऐसी क्रिकेट की बात कर रहा हूं जिसमें सहज होकर खेला जा सके। मैं ऐसा अपने बच्चों की खुशी के लिए करना चाहता हूं। इससे मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सकता हूं। डिविलियर्स ने 114 टेस्ट, 228 एकदिवसीय और 78 टी20 में दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेला है। उनके नाम एकदिवसीय प्रारूप में सबसे तेज 50 (16 गेंद), 100 (31 गेंद) और 150 (64 गेंद) रन बनाने का रिकॉर्ड है।

व्यापार

गिरावट के बाद हरे निशान में लौटे शेयर बाजार

सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़ा; निफ्टी 23,200 के पार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी दिन एक बार फिर गिरावट में खुले। हालांकि बाद में वापसी करते हुए शेयर बाजार हरे निशान में लौट गए। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 202.87 अंक की गिरावट के साथ 76,202.12 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी भी 64.7 अंक प्रतिशत फिसलकर 23,090.65 अंक पर रहा। हालांकि, बीएसई सेंसेक्स ने जल्द ही नुकसान की भरपाई कर ली और 152.54 अंक की बढ़त के साथ 76,557.53 अंक पर, जबकि निफ्टी 37.10 अंक चढ़कर 23,192.45 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल, इंफोसिस, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व और आईटीसी के शेयर लाभ में रहे। हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अदाणी पोर्ट्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर नुकसान में रहे। वहीं सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को दिन के चढ़कर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक के तीसरी तिमाही के आंकड़ों से निजी बैंक शेयरों को बढ़ावा मिला। साथ ही आईटी स्टॉक्स में तेजी से बाजार को सपोर्ट मिला। बीएसई सेंसेक्स 567 अंक की बढ़त के साथ 76,405 पर और निफ्टी 131 अंक बढ़कर 23,155 पर बंद हुआ। हालांकि, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स में क्रमशः 1.34 फीसदी और 1.63 फीसदी की गिरावट आई। गुरुवार को देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे, विदेशी निवेशकों का रवैया, साप्ताहिक एफएंडओ निफ्टी समाप्ति और वैश्विक बाजारों के संकेत आज बाजार की दिशा तय करेंगे। इन कंपनियों के तिमाही रिजल्ट्स अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी ग्रीन, एम्बर एंटरप्राइजेज, साइएंट, डॉ रेड्डीज लैब्स, ग्रीव्स कॉटन, एचपीसीएल, मैनकाइंड फार्मा, एम्फैसिस, स्पंदना स्फूर्टी, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, उज्जीवन एसएफबी, अल्ट्राटेक सीमेंट और यूनाइटेड स्पिरिट्स समेत 59 कंपनियां गुरुवार (23 जनवरी) को अपने तीसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान करेंगी।

स्टॉक मार्केट में स्टैलियन इंडिया की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयर पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। रेफ्रिजेरेंट और इंडस्ट्रियल गैस का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड ने आज शेयरों की लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर 33.33 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 120 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारों ने इसे हाथों हाथ लिया, जिससे थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 125.99 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 39.99 प्रतिशत का फायदा हो गया। स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड का 160.73 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 20 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 188.32 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 172.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 422.35 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 96.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 160.73 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 43,02,656 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, कंपनी की सेमीकंडक्टर एंड स्पेशलिटी गैस डीबल्किंग फैसिलिटी की कैपिटल एक्सपेंडिचर को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के साथ लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 21.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में गिर कर 9.75 करोड़ के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़ कर 14.79 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 12 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़कर 263.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 16.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस तरह इस अवधि में कंपनी 141.53 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

सोना सस्ता हुआ, चांदी की फीकी पड़ी चमक

सोने के भाव 79,450 रुपये, चांदी 91,450 रुपये के करीब

नई दिल्ली। लगातार दो दिन की तेजी के बाद गुरुवार को सोने-चांदी के वायदा भाव नरम पड़ गए। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। गुरुवार को सोने के वायदा भाव 79,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,450 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरबरी कॉन्ट्रेक्ट 145 रुपये की गिरावट के साथ 79,419 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 108 रुपये की गिरावट के साथ 79,455 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 79,464 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 79,393 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 521 रुपये की गिरावट के साथ 91,423 रुपये पर खुला। इस समय यह 479 रुपये की गिरावट के साथ 91,465 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 91,531 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 91,422 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,765.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,770.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 9.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,761.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.38 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.42 डॉलर था। इस समय यह 0.24 डॉलर की गिरावट के साथ 31.18 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया पांच पैसे गिरकर 86.40 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.35 पर बंद हुआ था

मुंबई। रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 86.46 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 86.52 प्रति डॉलर पर आ गया। हालांकि, शेयर बाजार में तेजी आने से इसमें कुछ सुधार हुआ और यह बुधवार के बंद स्तर से पांच पैसे की गिरावट के साथ 86.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.35 पर बंद हुआ था।

रुपए में कमजोरी से अन्य देशों की मुद्राओं में भी बढ़ सकता है दबाव: रघुराम राजन

नई दिल्ली। आर्थिक मुद्दों पर अपनी भविष्यवाणी याद दिलाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने डावोस में अमेरिकी डॉलर के तेजी से मुकाबले में भारतीय रुपए की मौजूदा स्थिति पर संदेह जताया। उनके अनुसार रुपए में कमजोरी आ सकती है और इससे अन्य देशों की मुद्राओं में भी दबाव बढ़ सकता है। राजन ने बताया कि अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल उत्तराधिकारी मुद्रा के रूप में हो रहा है, जिसके कारण वैशिष्ट्य वाले देशों में चिंता बढ़ गई है। उनका मानना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में वृद्धि से उत्तराधिकारी मुद्रा के प्रयोग में अस्थिरता आ सकती है, जो कि उभरते देशों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। विश्व अर्थव्यवस्था के संस्थानों द्वारा राजन की भविष्यवाणी पर ध्यान दिया जा रहा है और अमेरिकी डॉलर के स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं। राजन ने कहा कि सेंट्रल बैंक को सावधानी बरतने की आवश्यकता है और अमेरिकी डॉलर के इस्तेमाल की प्रवृत्ति को लेकर चिंता की जा रही है। वर्तमान में भारतीय रुपया अभी तक अन्य मुद्राओं के मुकाबले अधिक मूल्यवान है, लेकिन निगरानी रखने की आवश्यकता है क्योंकि आने वाले समय में मुद्रा बाजार में उलझन आ सकती है।

छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक आउट

महारानी येशूभाई बन छाईं साउथ हसीना

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर पीरियड ड्रामा फिल्म छावा की रिलीज डेट नजदीक आ रही है. बीते दिन फिल्म छावा से विक्की कौशल के फिल्म से तरह तरह के लुक का एक मोशन पोस्टर शेयर किया गया था. फिल्म छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक सामने आया है. छावा के मेकर्स मडोक फिल्म्स ने आज रश्मिका मंदाना के अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट लुके पोस्टर शेयर किए हैं. मडोक फिल्म्स ने दो पोस्टर्स शेयर किए हैं, जिसमें रश्मिका येसूबाई भोसले के रोल में दिख रही हैं. रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में छत्रपती संभाजी महाराज के पत्नी के रोल में होंगी, यह रोल विक्की कौशल निभा रहे हैं. वहीं, येसूबाई भोसले में रश्मिका के लुक

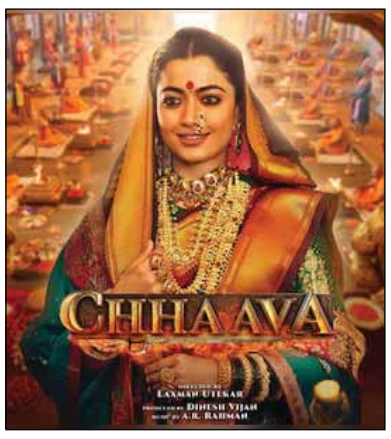

की बात करें तो वह पूरे श्रृंगार के साथ इसमें दिख रही हैं. पहले तस्वीर में रश्मिका मंदाना मराठी रीति-रिवाज में पहनी जाने वाली साड़ी और हार-श्रृंगार में मुस्कुराती हुई दिख रही हैं. दूसरी तस्वीर में रश्मिका को इंटेंस लुक में देखा जा रहा है. फिल्म से रश्मिका के पोस्टर्स शेयर कर मेकर्स ने लिखा है, हर महान राजा के पीछे, एक शक्तिशाली रानी की मजबूती होती है, पेश है महारानी येशूभाई के रोल में रश्मिका मंदाना, स्वराज्य का गर्व. बता दें, फिल्म छावा आगामी 14 फरवरी को रिलीज होने जा रही है. वहीं, कल यानि 22 जनवरी को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा, जिसका विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. लक्ष्मण उटेकर ने फिल्म छावा का निर्देशन किया है. फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान हैं और दिग्गज संगीतकार एआर रहमान ने फिल्म में संगीत दिया है.

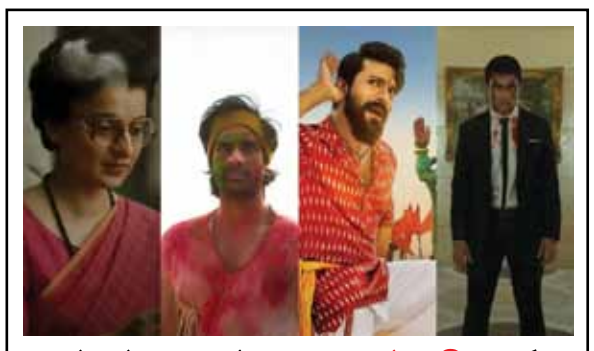

मंडे टेस्ट में इमरजेंसी और आजाद फेल, फतेह-गेम चेंजर का भी बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल

सिनेमाघरों में हाल ही में इमरजेंसी और आजाद ने दस्तक दी है। हालांकि, दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कारोबार नहीं कर सकी हैं। इसके अलावा जनवरी में ही रिलीज हुई गेम चेंजर और फतेह भी दर्शकों के दिलों में कुछ खास जगह नहीं बना सकीं। आइए जानते हैं कि सोमवार को किस फिल्म का कैसा हाल रहा। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी इंदिरा गांधी के भारत में लगाए गए आपातकाल पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन भी कंगना ने खुद ही किया है। फिल्म लंबे समय से अपने विषय की वजह से विवादों में रही। हालांकि, सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद रिलीज हुई यह फिल्म दर्शकों पर कुछ खास असर छोड़ती नहीं दिख रही। सोमवार को इम्तिहान में इमरजेंसी पूरी तरह फेल नजर आई। चौथे दिन इस फिल्म ने एक करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 11.35 करोड़ रुपये हो गई है। राशा थडानी और अमन देवगन की बॉलीवुड में शुरुआत फीकी रही है। उनकी फिल्म आजाद को दर्शकों का प्यार नहीं मिल सका है। चौथे दिन इस फिल्म ने 53 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब पांच करोड़ आठ लाख रुपये हो गई है। राम चरण की गेम चेंजर भी बॉक्स ऑफिस पर फेल हो चुकी है। फिल्म की कमाई की रफ्तार बेहद धीमी हो चुकी है। 11वें दिन इस फिल्म ने महज एक करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 126.4 करोड़ रुपये हो गई है। बॉक्स ऑफिस पर फतेह का हाल बेहाल है। यह फिल्म भी टिकट खिड़की पर अपनी अंतिम सांसे गिन रही है। सोमवार को फिल्म ने महज 13 लाख रुपये का कारोबार किया। अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 की रफ्तार अब काफी कम हो चुकी है। महीनों तक धमाल मचाने के बाद अब फिल्म लाखों में कमाई कर रही है। सोमवार को फिल्म ने 65 लाख रुपये बटोरे। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 1228.9 करोड़ रुपये हो गया है।

परेश रावल की नई फिल्म द स्टोरी टेलर का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता परेश रावल पिछली बार फिल्म जो तेरा है वो मेरा है में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हुई। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर देख सकते हैं। अब परेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम द स्टोरी टेलर है, जिसके निर्देशन की कमान अनंत नारायण महादेवगन ने संभाली है। यह परेश और अनंत के बीच पहला सहयोग है। द स्टोरी टेलर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी का रुख करेगी। फिल्म का प्रीमियर 28 जनवरी, 2025 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है। द स्टोरी टेलर का पहला पोस्टर भी सामने

आ चुका है, जिसमें परेश समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। इस फिल्म में परेश के अलावा आदिल हुसैन, तनिष्ठा चटर्जी और अनिंदिता बोस जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

पुष्पा 3 में क्या नजर आएंगी आंचल मुंजाल, कहा-रोल कटने पर निराश थी, पर छोटे रोल में मिला बेहतरीन रिस्पांस

5 दिसंबर 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा- द रूल अभी भी चर्चा में बनी हुई है और यह साल 2024 की सबसे ज्यादा अर्निंग करने वाली फिल्म भी बनी हैं. अब फैंस इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. इस बीच पुष्पा 3 के बारे में भी नई-नई अपडेट सामने आ रही है. वैसे तो पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल जैसे कलाकारों ने भूमिका निभाई, लेकिन एक छोटे से किरदार में आंचल मुंजाल भी नजर आई थीं. ऐसे में क्या पुष्पा पार्ट 3 में आंचल मुंजाल की वापसी होगी या नहीं इस

पर एक्ट्रेस में खुलासा किया. आंचल मुंजाल पुष्पा-2 में मालदीव में शूट किया एक हिस्से में नजर आई थीं. अब पुष्पा 3 में उनकी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर आंचल ने कहा मुझे यकीन नहीं है कि पुष्पा 3 के लिए क्या योजना बनाई गई है, लेकिन मैं वास्तव में इसका हिस्सा बनने की उम्मीद करती हूं. फैंस मुझे मैसेज भेज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या मेरा किरदार इसमें होगा और सचमुच उम्मीद है कि डायरेक्टर चाहे जो भी निर्णय ले यह एक अद्भुत जर्नी होगी. आंचल ने पुष्पा 2 में काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में भी बातें शेयर की, उन्होंने कहा कि हमने तीन सींस शूट किए थे, लेकिन इसमें से दो सीन काट दिए गए. जब मैंने यह फिल्म देखी तो मुझे लगा है भगवान मेरा डायलॉग काट दिया गया, अब लोग पता नहीं कैसी प्रतिक्रिया देंगे? लेकिन मुझे जो प्यार और सराहना मिली वह सचमुच बहुत ही यादगार है. उन्होंने आगे कहा मेरा ध्यान हमेशा सीन के इंपैक्ट पर होता है और मुझे सच में विश्वास है कि यह सीन कहानी को एक इंपॉर्टेंट टर्न देता है. मुझे पुष्पा 2 का हिस्सा बनने पर गर्व है. मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और वह मैंने हासिल कर लिया. वी आर फैमिली, सई, धूम मचाओ धूम और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे हिट टीवी शो के लिए जानी जाने वाली आंचल मुंजाल ने सुकुमार की पुष्पा टू द रूल से टॉलीवुड में अपना डेब्यू किया. इस फिल्म में उनके छोटे से रोल को भी खूब पसंद किया, उन्होंने 18 साल पहले अपने करियर की शुरुआत की थी और पुष्पा 2 से उन्हें एक बड़ा प्लेटफार्म मिला.

वेस्टर्न आउटफिट में छाया प्रज्ञा जैसवाल का बोल्ड अवतार, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स हुए बेकाबू

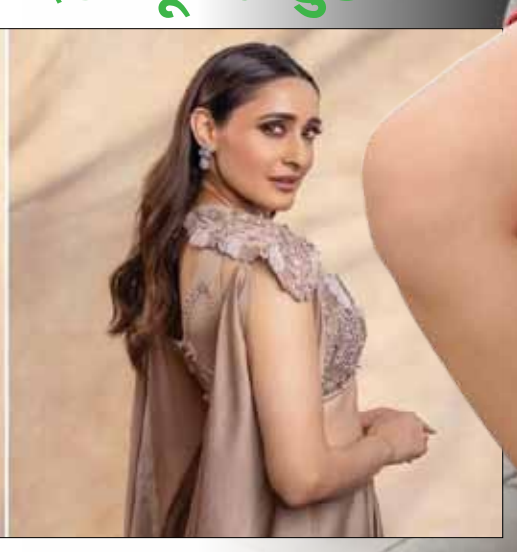

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने फैशन च्वॉइस को लेकर फैंस के बीच चर्चाओं में रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज सोशल मीडिया पर पोस्ट होती ही इंटरनेट का तापमान बढ़ा देता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही सेक्सी अंदाज में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। अपनी फिटनेस और कातिल अदाओं से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचने वाली एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल इन दिनों अपनी हॉटनेस से फैंस को दीवाना बना रही हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाता रहता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं प्रज्ञा जैसवाल ने सेटिन लुक में रिवीलिंग ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट लग रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके इस लुक को देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

Veer Pahariya makes a smashing debut in Akshay Kumar's compelling action-drama

Agency: Our country has given birth to several brave soldiers, who have sacrificed their lives for the motherland. Due to some recent biographical war dramas, we have witnessed the stories of unsung heroes. Now, talking about Sky Force, which is based on India's retaliatory attack on the Sargodha airbase of Pakistan in the Indo-Pakistani air war of 1965, doesn't only talk about India's first airstrike but also speaks about the bravery and heroism of one Air Force officer, who made this airstrike successful. In 1971, when Pakistan Air Force officers suddenly attack the airbase of India (over Kashmir issues), Indian Forces capture one of the Pakistani pilots Ahmed (Sharad Kelkar) in the counterattack. Wing Commander K.O. Ahuja of the Indian Air Force (fictionalization of O.P. Taneja VrC and played by Akshay Kumar) arrives to interrogate Ahmed and comes to know that he was awarded for assassinating one Indian Air Force Officer during the 1965 Sargodha attack. Cut to, we go to the flashback of 1965 where Ahuja, Squadron's Wing Commander K.O. Ahuja is at his Adampur airbase with his teammates including T. Vijaya (fictionalization of Ajjamada Boppayya Devayya MVC played by Veer Pahariya) and others. T.K. Vijaya aka Tabby always sets seniors for breaking protocols but is a very skilled pilot and diehard patriotic, who is ready to sacrifice his life for the country with a big smile. Ahuja is very close to Tabby as he sees his late brother Monu in him. On the other hand, Tabby considers Ahuja as his mentor. Ahuja's head David Lawrence (Manish Chaudhari) informs that America has gifted 12 Starstriker Air Planes to Pakistan, which has made the Pakistani Air Force powerful. David shares that Pakistan is planning to do something against India and instructs Ahuja to go for recce along with one more officer on their fighter planes and he can cross the border if he wishes to but at his own risk. In this recce, Ahuja and Tabby discover several weapons and artillery at the Pakistan border.

While they do get attacked by Pakistani officers, Tabby clicks the weapon pics. Ahuja shows pics to Lawrence and says that they should get ready for the war and should attack Pakistan before they try to execute their plan. However,

Lawrence dismisses Ahuja's words and says that the Government doesn't want the Indian Air Force to attack first we are a peace-loving country. Soon, after this discussion, Pakistan attacked the Indian Airbase at night knowing that the Indian Air Force didn't have planes that fight at night. They kill Indian soldiers and destroy the airbase and fighter planes. Now, the Indian government decides to teach Pakistan a lesson and tells the Indian Air Force to destroy their important air bases and starstriker planes. While making a strategy Ahuja notices Pakistan's PM speech and tells Lawrence the Starstriker planes are not kept at the border but in the central part of the country, Sargodha, which is Pakistan's most secured base. They keep the name of the mission as Sky Force. The mission is very tough as Indian planes don't have that kind of fuel capacity, which will bring them back from Sargodha to Adampur. Ahuja makes 4 teams for the mission but due to David's order, the former keeps Tabby on standby and not part of the core teams. The mission gets accomplished and all officers reach back to their bases but Ahuja realizes that Tabby, who went back behind them, has done something big due to which they got saved and the mission was successful. Tabby goes missing in action and now Ahuja is on another mission to find Tabby and his contribution, which made India's first airstrike successful. Where is Tabby and how he played a critical role in India's retaliatory attack on the Sargodha airbase of Pakistan?

Well, for that you have to watch Air Force on the big screen. Directors Abhishek Anil Kapur and Sandeep Kewlani have kept the movie engrossing with compelling narrative and gripping storytelling. Right from the action sequences to emotional moments, every frame strikes a chord with the audience. Special brownie points to the VFX team and editor A. Sreekar Prasad, who kept the story flow watertight with a runtime of 125 minutes. The aerial combats will literally impress you to the core. Talking about the performances, Akshay Kumar continues to impress with his act of wearing the uniform of the defence services. He's the emotional backbone of the film. Veer Pahariya makes a smashing debut with his magnetic presence and charismatic charm as T. Vijaya, a daring fighter pilot. His innocent look and gritty avatar blend beautifully to give us a layered and impactful performance. Sara Ali Khan, Nimrat Kaur, Manish Chaudhari and Sharad Kelkar provide good support and play their role to the T. Sky Force creates a fusion of reel and real-life heroism, paying tribute to the sacrifices of India's Air Force pilots. Offering a portrayal of the Indo-Pakistani War of 1965, it highlights India's first retaliatory airstrike. At its core is Wing Commander K.O. Ahuja, portrayed by Akshay Kumar as O.P. Taneja, a commander who faught for justice. His journey intertwines with that of T. Vijaya, played by Veer Pahariya as A.B. Devayya, a fearless rebel who risked everything to protect his nation. Together, their narratives bring to life a tale of courage, sacrifice, and unwavering patriotism. Produced by Dinesh Vijan and Amar Kaushik under Maddock Films, in association with Jio Studios, Sky Force is a game-changer for Bollywood war epics

Government seeks Uber, Ola response on dual pricing based on phone models

Notice

Agency: The Ministry of Consumer Affairs on Thursday issued notices to cab aggregators Ola and Uber, seeking clarification on reports of alleged differential pricing based on the type of mobile device used to book rides. The Central Consumer Protection Authority (CCPA) took action following reports that the two companies appeared to charge different fares for the same service, depending on whether the customer was using an iPhone or an Android device. In its notice, the CCPA asked the companies to explain their pricing methods and address concerns of potential discrimination. The ministry described the practice as "apparent differential pricing" and sought a detailed response to ensure transparency and fairness in fare calculations. The move comes days after a Delhi-based entrepreneur shared his findings on differential pricing by the two ride-hailing apps in a series of posts on X after comparing fares across different devices and battery levels. Back in December, the matter gained traction after an X user had shared a picture of two phones purportedly showing different fares for a particular location on the Uber app. As his post went viral, Uber responded to the allegations, denying that the pricing is based on the type of phone used. The company attributed any fare differences to variations in pick-up points, estimated time of arrival (ETA), and drop-off points, stating that it does not personalise trip pricing based on the rider's mobile phone manufacturer. However, other social media users soon joined

Central Consumer Protection Authority issues notices to Ola, Uber
Seeks clarification on alleged differential pricing on platforms
Reports suggest different fares on iPhone vs Android smartphones

the chorus, alleging that they were being charged different fares for identical rides when booking through Android and iOS devices. The government intervened, with Union Minister of Consumer Affairs Pralhad Joshi ordering the CCPA to probe platforms like Ola, Uber and Rapido for "unfair trade practice" and a "blatant disregard" for consumers' right to transparency. Joshi said the government had a "zero tolerance for consumer exploitation" and directed the CCPA to conduct a thorough inquiry and submit a report as soon as possible.

Hyderabad Man Chops Up Wife's Body, Boils Parts In Pressure Cooker

Agency: A Hyderabad man allegedly killed his wife and attempted to cover up the crime by chopping up the body and boiling the parts in a pressure cooker. Guru Murthy, 45, a former soldier who works as a security guard with the Defence Research and Development Organisation (DRDO), allegedly confessed to the police, but his horrific story is yet to be corroborated. Venkata Madhavi, 35, was reported missing by her family on January 16. When the police began investigating, they suspected her husband. When they questioned him, he detailed a gruesome crime. Police Inspector Nagaraju said, "The parents had lodged a missing complaint with us. The husband also came with them. We grew suspicious and questioned him. He confessed to this crime." Guru Murthy reportedly claimed to the police that he chopped up his wife's body in the bathroom and boiled the parts in a cooker. He went on to separate the bones, according to the account, ground them using a pestle and boiled them again. After multiple rounds of cooking flesh and bones for three days, he allegedly packed the remains and dumped them into a Lake. The claims are being verified. The couple has two children, a boy and a girl. The two reportedly had frequent fights. It is not clear why and how the alleged murder took place.

SC wants Dallewal to take medical aid at PGI

Agency: As fasting farm leader Jagjit Singh Dallewal takes medical aid without breaking his fast and protesting farmers agree to hold talks with the Centre, the Supreme Court on Wednesday deferred the hearing on contempt of court proceedings against the Punjab Chief Secretary and the Director General of Police to February. Welcoming the "positive developments", a three-judge Bench led by Justice Surya Kant noted that the Centre had sent a high-level delegation that met Dallewal and other farm leaders on January 18 and both sides agreed to have a dialogue in Chandigarh on February 14. In the light of these developments, the Bench chose to keep in abeyance the contempt proceedings and dispensed with the presence of Punjab Government officials. As senior counsel Kapil Sibal and Punjab Advocate General Gurminder Singh said Dallewal had accepted medical aid and his condition had improved after being shifted to a hospital 50 m away from the protest side, the Bench said he should be given proper medical aid at the PGI, Chandigarh, before the February 14 talks.

World's Scariest Chair, Those Who Sit On It Meet Untimely Death

Agency: A museum in the UK houses a special chair known as the "Death Chair." It is believed that anyone who sits on this chair will meet their death. The story of this cursed chair is quite famous, and people still hold various beliefs about it today. Though fewer people believe in ghosts these days, some places around the world make one stop and think twice. One such place is this cursed chair, said to bring untimely death to anyone who dares sit on it.

This chair, located in the UK, is referred to as the "Death Chair" because it's believed that anyone who sits in it will not survive. You might wonder how sitting on a chair could cause someone's death. This isn't a recent incident, but rather a 300-year-old tale that continues to circulate. Many superstitions and spooky stories are tied to this chair. According to media reports, the chair originally belonged to Thomas Busby from North Yorkshire. Busby was very attached to the chair and would often relax in it. However, after his death, the chair became considered cursed. It is said that anyone who dared to sit on the chair would face an untimely death. After Busby's passing, the chair became the center of many frightening and mysterious stories. One day, Busby's father-in-law sat in the chair to rest, which angered Busby so much that he murdered him in a fit of rage. In 1704, Busby was sentenced to death by hanging. Before his execution, he cursed the chair, claiming that anyone who sat in it would not survive. At the time, people dismissed Busby's curse as a joke, but those who sat in the chair met their doom. During World War II, some soldiers sat in Busby's chair, and none of them returned alive. No matter the reason, anyone who sat in that chair lost their life. The chair was moved several times, but its curse never ceased. Eventually, it was safely placed in the Thirsk Museum, where it is hung from the ceiling instead of placed on the ground to prevent anyone from sitting on it by accident. Along with the chair, the story of its curse is displayed for visitors to read.

Andhra college student walks out of classroom in session, dies after jumping off 3rd floor

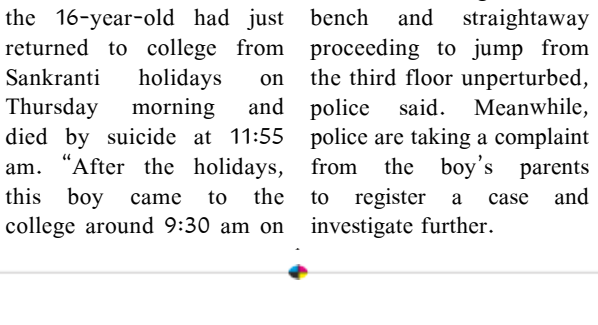
The shocking incident was captured on a surveillance camera

Agency: A first-year student at a college in Andhra Pradesh died by suicide after jumping from the third floor of the building. The shocking incident was captured on a surveillance camera. The Narayana college student walked out of the classroom at 10:15 a.m., stood on the ledge, and jumped off the third floor. He also took off his slippers before jumping. A video from the classroom shows the boy leaving the room while the class was in session The video also shows his classmates walking out of the room shortly after they realised he had jumped. Anantapur Rural sub-divisional police officer T Vekateshulu said the 16-year-old had just returned to college from Sankranti holidays on Thursday morning and died by suicide at 11:55 am. "After the holidays, this boy came to the college around 9:30 am on Thursday. While the class was going on, around 11:55 am, he suddenly came out from the classroom and jumped from the third floor," Venkateshulu told PTI. Immediately, the college management shifted the injured boy to a local hospital where doctors examined him and declared that he was dead. Police said the intermediate student hailed from Ramapuram village of Batthenapalli mandal in Sri Sathyasai District. The suicide of the boy pursuing intermediate first year at Narayana Junior College was captured on CCTV cameras. The recording shows him rising from his bench and straightaway proceeding to jump from the third floor unperturbed, police said. Meanwhile, police are taking a complaint from the boy's parents to register a case and investigate further.

67 villages in Panipat under scrutiny for skewed sex ratio

Agency: The Health Department has flagged 67 out of 190 villages in Panipat district for their skewed Sex Ratio at Birth (SRB), placing them in the red zone category. The district, which once led the state in SRB improvement under the Beti Bachao Beti Padhao (BBBP) campaign, now ranks 17th with an SRB of 900 in 2024.

Launched from Panipat in January 2015 by the Prime Minister, the BBBP campaign marked its 10th anniversary amid concerns over declining SRB figures. "In 2015, Panipat's SRB was 892 girls per 1,000 boys. Following the launch of BBBP, it climbed to a record 945 in 2017. However, it has declined over the years, reaching 900 in 2024," said Civil Surgeon Dr Jayant Ahuja. The Health Department has identified specific villages where the SRB has fallen below 850. Some of these villages include PHC Mandi with SRB as low as 478, PHC Bapoli (eight villages), PHC Chulkana (six villages) and PHC Patti Kalyana (seven villages). Dr Ahuja said, "Teams are analysing data from these villages to understand the causes.

D Gukesh dethrones Arjun Erigaisi to become highest-ranked Indian in FIDE Rankings

Agency: World champion D Gukesh has continued his rise in chess as he went past compatriot Arjun Erigaisi to become the highest-ranked Indian in the latest FIDE Rankings on Thursday, January 23. Gukesh went past Erigaisi to take the 4th spot in the latest rankings as Erigaisi slipped to No.5. The 18-year-old achieved the feat when he got his second win in the Tata Steel Masters in Wijk Aan Zee in the Netherlands as he beat Vincent Keymer of Germany. Gukesh, who was conferred the Khel Ratna award recently, has amassed 2784 rating points, while Erigaisi slipped to 2779.5 rating points. Erigaisi was the highest-ranked Indian for a long time and achieved a career-best rating of 2801, making him only the second Indian after Viswanathan Anand to go past the 2800 threshold. This also made the 21-year-old the 15th highest-rated player in history. However, Erigaisi's recent performances haven't been up to the mark. Erigaisi had gone to the World Rapid and Blitz Championship in New York, hoping to secure a Candidates berth, but had to come back home empty-handed in the end. The 21-year-old is also having a rough time in the ongoing Tata Steel Masters, having got just one point so far. Norway's Magnus Carlsen continues to be the undisputed world No.1 with 2832.5 points, followed by United States' Grandmaster Hikaru Nakamura with 2802. Fabiano Caruana, with 2798 points, is in the third spot. Since beating Ding Liren to become the world champion, Gukesh has continued to shine. The 18-year-old had missed the World Rapid and Blitz Championship in New York as he had returned home to take part in festivities and functions after his win in Singapore against Liren. Gukesh's return to the board saw him edge past Anish Giri with a win after a rough start to proceedings. He then drew his second-round game against Slovenia's Vladimir Fedoseev. The 18-year-old was held to a draw in round 3, before bouncing back against Keymer in over 6 hours and 72 moves to get his second win of the tournament and move closer to the joint leaders R Praggnanandhaa and Nodirbek Abdusattorov.